।। श्री हरि शरणम् ।।

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 13 अंक - 107

रायसेन

मंगलवार, 14 अक्टूबर 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

खास बात

मरने वाले लोग तो खैर बेबस हैं। लेकिन जीने वाले व्यक्ति भी इस दुनिया में कमाल करते हैं।

- अदय

संक्षिप्त समाचार

राज्य स्तरीय स्वच्छता समग्र समारोह आज भोपाल में होगा

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा 14 अक्टूबर मंगलवार को भोपाल के रवीन्द्र भवन हंसध्वनि सभागार में 5वां राज्य स्तरीय स्वच्छता सम्मान समारोह एवं कार्यशाला 'स्वच्छता समग्र' का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दोपहर 1 बजे समारोह में उल्लेखनीय कार्य करने वाले नगरीय निकायों को स्वच्छता सम्मान प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव अमृत योजना के अंतर्गत 5 हजार 364 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करेंगे।

झारखंड, मिजोरम और जम्मू-कश्मीर में उपचुनाव 11 नवंबर को

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने तीन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में खाली हुई विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की। झारखंड, मिजोरम और जम्मू-कश्मीर की विधानसभा की कुछ सीटें हाल ही में खाली हुई हैं, जिन्हें भरने के लिए चुनाव आयोग ने चुनावी प्रक्रिया की तारीखें तय की हैं। यह उपचुनाव 16 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। झारखंड की 45-घाटशिला (एसटी) विधानसभा सीट (जो राम दास सोरेन के निधन के कारण 15 अगस्त, 2025 को खाली हुई थी) पर उपचुनाव होने जा रहा है। चुनाव आयोग ने इस सीट के लिए उपचुनाव की तारीखों का ऐलान करते हुए कहा है कि 16 नवंबर तक नया विधायक चुना जाएगा। निर्वाचन के लिए 21 अक्टूबर को नामांकन की अंतिम तारीख रहेगी। 22 अक्टूबर को नामांकन की जांच होगी और 24 अक्टूबर तक उम्मीदवार अपने नाम वापस ले सकेंगे। 11 नवंबर को मतदान होगा। मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। मिजोरम की 2-डांपा (एसटी) विधानसभा सीट भी खाली हुई थी, जब लालरिंतलुआंगा सैलो का निधन 21 जुलाई, 2025 को हुआ। यहां भी उपचुनाव 16 नवंबर तक पूरा होना है। यहां नामांकन 21 अक्टूबर तक जमा करने होंगे, 22 अक्टूबर को नामांकन की जांच होगी, 24 अक्टूबर तक उम्मीदवार नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 11 नवंबर को सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। जम्मू-कश्मीर के नागरोटा विधानसभा क्षेत्र की 77 नंबर की सीट देवेंद्र सिंह राणा के निधन के कारण 31 अक्टूबर, 2024 को खाली हुई थी। यहां भी चुनाव आयोग ने उपचुनाव कराने का निर्णय लिया है। यहां नामांकन की अंतिम तारीख 20 अक्टूबर निर्धारित की गई है। 22 अक्टूबर को नामांकन की जांच होगी और 24 अक्टूबर तक नाम वापसी की अनुमति रहेगी। मतदान की तारीख 11 नवंबर तय की गई है। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगा। इन तीनों उपचुनावों के लिए चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि निर्वाचन प्रक्रिया जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत होगी। सभी चुनाव विधि और नियमों के अनुसार निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराए जाएंगे।

कोल्ड्रिफ सिरप कांड मामले में श्रीसन फार्मा के 7 ठिकानों पर रेड

नई दिल्ली। कोल्ड्रिफ कफ सिरप मामले में ईडी ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की है। तमिलनाडु की दवा कंपनी श्रीसन फार्मा से जुड़े कई ठिकानों पर रेड की है। बता दें कि मप्र में इस जहरीले सिरप के सेवन से अब तक 20 से अधिक बच्चों की मौत हो चुकी है। ईडी ने यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम के तहत की है। जांच एजेंसी ने चेन्नई स्थित श्रीसन फार्मा के 7 ठिकानों पर रेड की। खास बात यह है कि इन ठिकानों में तमिलनाडु ड्रग कंट्रोल ऑफिस के वरिष्ठ अधिकारियों के आवास और दफ्तर भी शामिल हैं। वहीं कुछ दिन पहले श्रीसन फार्मा के मालिक जी. रंगनाथन को गिरफ्तार कर लिया गया था। उनसे सिरप के उत्पादन, गुणवत्ता जांच और वितरण से जुड़ी अनियमितताओं को लेकर पूछताछ की जा रही है।

सीएम ने 700 एमएसएमई इकाइयों को वितरित की 197 करोड़ प्रोत्साहन राशि

एमएसएमई हैं भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़, प्रदेश में उद्योगों को मिली नई गति

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है। वर्ष 2025 को उद्योग और रोजगार वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और छोटे उद्योग करोड़ों परिवारों का रोजगार और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करते हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर दीपावली से पहले नए भारत के निर्माण का प्रतीक बताया और सम्मेलन को विश्वास एवं स्वाभिमान का उत्सव बताया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को भोपाल के एक निजी होटल में आयोजित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमियों के सम्मेलन में उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने 700 एमएसएमई इकाइयों को 197 करोड़ रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि वितरित की। इसके अतिरिक्त, 63 स्टार्टअप्स को ईआईआर सहायता योजना के तहत 1 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि प्रदान की गई। 237 उद्यमियों को भू-आवंटन पत्र दिए गए, जिससे उन्हें उद्योग स्थापना में सुविधा मिलेगी। साथ ही, उद्यम क्रांति योजना के तहत 5084 युवाओं को 347 करोड़ रुपये से अधिक की बैंक ऋण सहायता वितरित की गई।

'उद्योग और रोजगार वर्ष' थीम पर मनेगा स्थापना दिवस

मुख्यमंत्री ने सोमवार को स्थापना दिवस और अभ्युदय दिवस की तैयारियों को लेकर मंत्रालय में समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि 卐रोजगार के मंदिर हैं उद्योग卐 की भावना के साथ-साथ कौशल उन्नयन, तकनीकी शिक्षा, उद्यमशीलता के विकास और युवाओं को आत्मनिर्भरता से जोड़ने वाली गतिविधियों को कार्यक्रमों में आकर्षक रूप से शामिल किया जाए। डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि आयोजन में प्रदेश की धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन गतिविधियों से अर्थव्यवस्था में आई गतिशीलता पर भी प्रस्तुतीकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि भोपाल में राज्य स्तरीय समारोह के साथ-साथ सभी जिलों और संभागीय मुख्यालयों पर भी भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। मध्य प्रदेश स्थापना दिवस पर 2 और 3 नवंबर को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लाल परेड ग्राउंड पर महान नाट्य सम्राट विक्रमादित्य की प्रस्तुति होगी।

मुख्यमंत्री ने उद्यमियों से संवाद करते हुए कहा कि अब युवा रोजगार मांगने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बन रहे हैं। उन्होंने एमएसएमई सेक्टर में महिलाओं की भागीदारी पर गर्व व्यक्त किया और कहा कि प्रदेश में 47 प्रतिशत स्टार्टअप्स महिला उद्यमियों के नेतृत्व में हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में मध्यप्रदेश में 4 लाख से अधिक विनिर्माण इकाइयाँ एमएसएमई के रूप में पंजीकृत हैं और 102 इंक्यूबेशन सेंटर युवाओं को अपने आइडिया को साकार करने का अवसर दे रहे हैं।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा कि प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर तेजी से विकसित हो रहा है। अगस्त 2025 तक उद्यमियों को करीब 200 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पहली बार 50 प्रतिशत लैंड लॉक सब्सिडी शुरू की गई है, जो छोटे व्यवसायियों को निर्यात में मदद करेगी। प्रमुख सचिव एमएसएमई राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पिछले छह वर्षों में 820 इकाइयों को भूमि आवंटन हो चुका है। स्टार्टअप नीति 2025 के तहत प्रदेश के 83 स्टार्टअप्स को एक करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि वितरित की गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रत्येक ब्लॉक में औद्योगिक इकाई स्थापित करना है।

19 नए औद्योगिक क्षेत्र बनाए जा रहे हैं

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि प्रदेश में 800 से अधिक भू-खण्ड उद्योगों को उपलब्ध कराए जा चुके हैं। 19 नए औद्योगिक क्षेत्र बनाए जा रहे हैं और 10 नए क्षेत्रों के विकास का प्रस्ताव तैयार है। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत 50 लाख रुपये तक का लोन बिना गारंटी उपलब्ध करवा रहे हैं। डिजिटल रिटर्न और जीएसटी की सुविधाओं से उद्योगों को नई पहचान मिली है। उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि स्वदेशी उत्पादन और छोटे उद्योग भारत को आत्मनिर्भर बनाने में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं।

हमास ने 20 इस्राइली बंधकों को रिहा किया

पीएम मोदी ने जताई खुशी, ट्रंप के शांति प्रयासों की सराहना

येरुशलम ■ एजेंसी

दो साल तक जंग लड़ने के बाद इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम लागू हो गया है। आज हमास ने 20 इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया है। इस्राइल के अनुसार, अब हमास के कब्जे में कोई भी जिंदा इस्राइली बंधक नहीं मौजूद है। इस माहौल के बीच इस्राइल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वहां स्वागत किया गया हैं। इसके साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी ने भी बंधकों की रिहाई पर खुशी जताई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमास द्वारा इस्राइली बंधकों की रिहाई पर खुशी जताते हुए डोनाल्ड ट्रंप की कोशिशों की सराहना की। साथ ही इस्राइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को बधाई भी दी। पीएम मोदी ने कहा कि यह आजादी उनके परिवारों की हिम्मत, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति के लिए ईमानदार कोशिशों और इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू की मजबूत इच्छाशक्ति को समर्पित है। पीएम मोदी ने क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए ट्रंप के प्रयासों का समर्थन किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइली संसद में कहा कि अगर हमें युद्ध करना पड़ा, तो हम इसे इस तरह जीतेंगे जैसे किसी ने पहले कभी नहीं जीता। हम राजनीतिक रूप से सही होने की चिंता नहीं करेंगे। इस दौरान ट्रंप ने एक बार फिर दोहराया कि पिछले आठ महीनों में वे आठ युद्धों को सुलझा चुके हैं, जिनमें यह युद्ध भी शामिल है।

इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने पुष्टि की कि नेतन्याहू आज मिस्र में होने वाले सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। उनके कार्यालय ने एक्स पर एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री नेतन्याहू को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने आज मिस्र में हो रहे सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। बयान में आगे कहा गया, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ट्रंप को उनके निमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया, लेकिन कहा कि वह त्योहार के शुरू के नजदीक होने की वजह से सम्मेलन में भाग नहीं ले पाएंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यरूशलम में नेसेट में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि दो संघर्षकारी और मुश्किलों से भरे वर्षों के बाद 20 बहादुर बंधक अब अपने परिवारों के गले लगने वापस लौट रहे हैं। ट्रंप ने इन बंधकों की बहादुरी को सलाम किया और उनकी सुरक्षित वापसी पर खुशी जताई।

पीएम मोदी ने कई राज्यों के किसानों से की मुलाकात, सामूहिक खेती का दिया सुझाव

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सामूहिक खेती की वकालत करते हुए सुझाव दिया है कि छोटे और सीमांत किसान अपनी जमीनों को साझा करके उच्च मूल्य वाली फसलें उगाएं और अपनी आय बढ़ाएं। शनिवार को प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) में आयोजित एक कार्यक्रम में किसानों से बातचीत की। किसानों के साथ यह संवाद 35,440 करोड़ के परिव्यय वाली कृषि क्षेत्र की दो प्रमुख योजनाओं का शुभारंभ करने से पहले हुआ। इस मौके पर मोदी ने 24,000 करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और 11,440 करोड़ रुपये के दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया। संवाद के दौरान प्रधानमंत्री ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आग्रह किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने एक चरणबद्ध नजरिया अपनाने का सुझाव दिया।

कोर्ट ने कहा- पद का दुरुपयोग और साजिश रची गई

आईआरसीटीसी घोटाले में लालू परिवार पर आरोप तय

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को आईआरसीटीसी घोटाले में तीनों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं।

विशेष सीबीआई अदालत ने अपने आदेश में कहा कि लालू यादव ने टेंडर प्रक्रिया में सीधा हस्तक्षेप किया और प्रक्रिया में बदलाव कराया, जिससे भ्रष्टाचार और साजिश की पुष्टि होती है। कोर्ट ने माना कि यह सब कुछ लालू यादव की जानकारी और सहमति से हुआ।

सीबीआई की विशेष अदालत के जज विशाल गोगने ने सोमवार को इस मामले में

सुनवाई करते हुए कहा कि लालू यादव ने सरकारी पद का दुरुपयोग किया। कोर्ट ने लालू, राबड़ी और तेजस्वी के खिलाफ धोखाधड़ी, साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए हैं।

इससे पहले तीनों नेता– लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव– व्यक्तिगत रूप से राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। लालू यादव इस दौरान व्हीलचेयर पर कोर्ट पहुंचे। कोर्ट ने सभी आरोपियों की उपस्थिति को अनिवार्य बताया था।

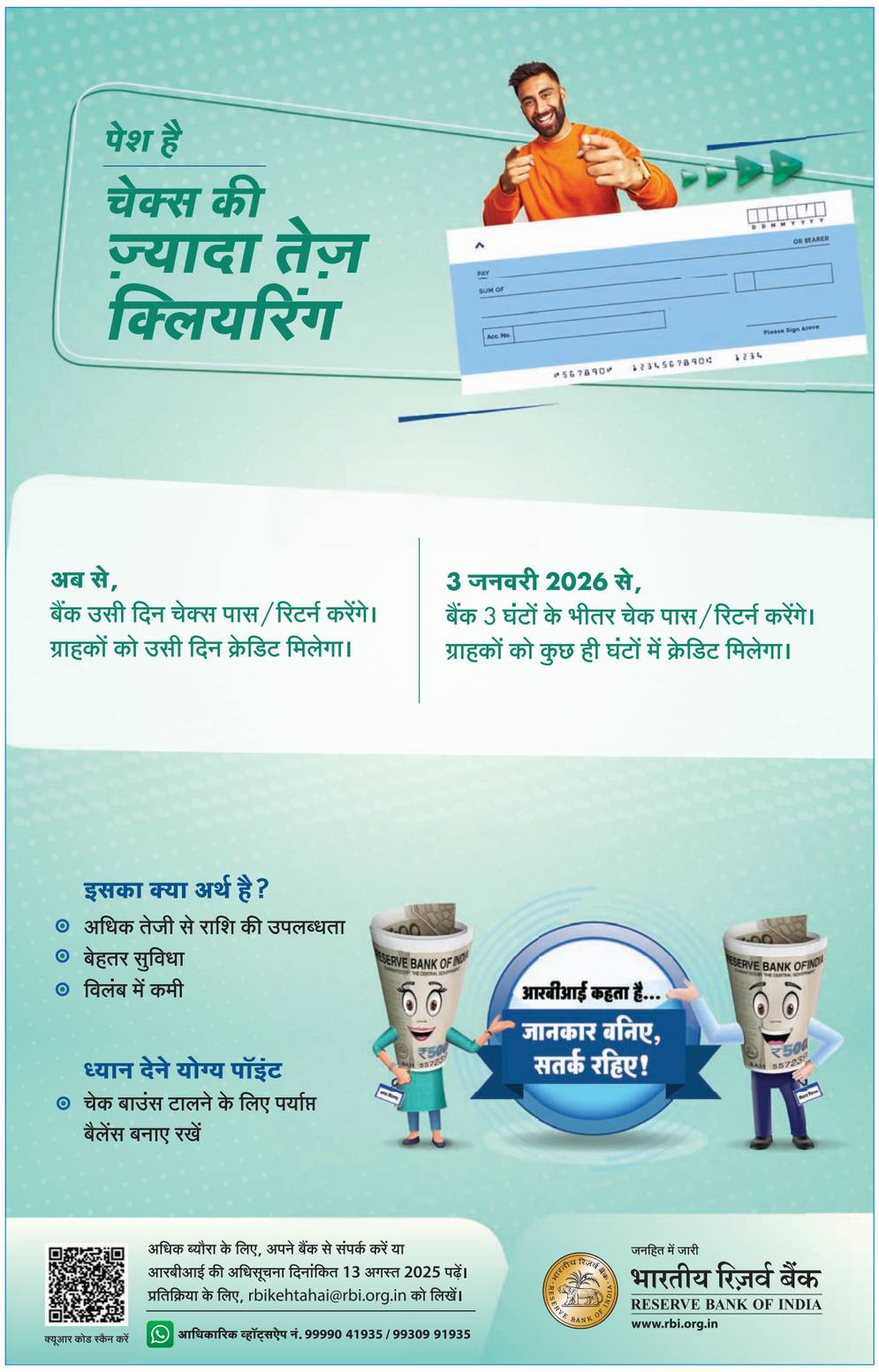

अंतर्मना उवाच

चिंता चिता है, चिंता किसी समस्या का समाधान नहीं है..समस्या का समाधान तो चिंतन में है..!

*तुम अपना थोड़ा सा चिंतन बदल लो बस, तुम्हारे दुःख खत्म हो जाएंगे। जीवन में दुःख है कहाँ और यदि थोड़ा बहुत है अभी तो उसमें से तुम सुख खोज लो, दुःख में से सुख खोजा जा सकता है। **दुःख में से सुख खोजने की एक कला है, वह कला तुम्हें सीखनी होगी।** मैं वही कला तो सिखा रहा हूँ, **ऐसा कोई दुःख नहीं है जिसमें थोड़ा बहुत सुख ना हो।** बड़े बड़े दुःखों में छोटे-छोटे सुख छुपे होते हैं, क्योंकि **जो मिल ना सका** या फिर **जो खो गया,** उसके लिये जिंदगीभर शोक करना फिजूल का पागलपन है। **जो कुछ बचा है** या फिर **जो मिला है,** उसका उपभोग करो, उसका सुख भोगो, इसी में समझदारी है। इससे पीड़ा कम होगी, खुशियाँ बढ़ेगी। दो दांत यदि टूट गये, जो तीस बाकी है, उनसे काम लो, उनका सम्मान करो। दो की याद में शेष तीस को भूल जाना ही पागलपन है।*

*इसलिए- **जो है सो है..***

बस इससे ही जीवन में आनंद भर जाएगा...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

।। कक्का जी कहिन ।।

डी.पी. गोयल

महागठबंधन का भविष्य खतरे में

आखिर भा.ज.पा. ने अपने सहयोगी दलों के साथ सीटों का बटवारा कर लिया है। भा.ज.पा. और जनतादल यू. दोंनों बराबर सीटों पर चुनाव लडेंगे, जबकि चिराग पासवान को-29, भूपेन्द्र कुशवाहा को-06, सीताराम मालवीय को-06 सीटें देने का निर्णय भा.ज.पा. चुनाव समिति ने घोषणा की है। ऐसा माना जा रहा है कि आज रात तक भा.ज.पा. अपने 40-50 प्रत्याशियों की सूची घोषित कर सकता है। वही नीतीश कुमार की जनतादल यू. ने अभी तक प्रत्याशियों के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया है।

वहीं दूसरी तरफ महागठबंधन का प्रमुख घटक आर.जे.डी. और कांग्रेस में अभी तक सीटों को लेकर समझौता नहीं हो पाया है। लालू यादव अपने बेटे तेजस्वी यादव के साथ दिल्ली में डेरा डाले पड़े है और अभी तक उनकी भेंट राहुल गांधी और वरिष्ठ कांग्रेस के नेताओं से नहीं हो पाई है। लालू यादव की इच्छा है कि कांग्रेस तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के रूप में तेजस्वी यादव की घोषणा करे। अब यह तो समय बताऐगा कि राहुल गांधी और लालू यादव के बीच क्या समझौता होता है।

बहरहाल बिहार में प्रत्याशियों की घोषणा होते ही आया राम-गया राम का खेल शुरू हो जाऐगा। क्यों कि तीनों प्रमुख पार्टियों की तरफ से इसबार वर्तमान विधायकों तक का पत्ता कटने वाला है। वहीं तीनों पार्टियों की इच्छा है कि इस बार युवा प्रत्याशियों को मैदान में उतारा जाये। भा.ज.पा. ने तो अपना मन बना लिया है, अब नीतीश कुमार और लालू यादव की पार्टियां कितने का पत्ता काटती है और कितने युवाओं को मैदान में उतारती है।

मैं यह सब लिख रहा था तभी कलि का आ गये और बोले-सुनो वत्स, बिहार में सभी की निगाहें मुस्लिम मतदाताओं पर टिकी है। बी.जे.पी. को छोड़कर सभी पार्टियां मुस्लिम प्रत्याशी के माध्यम से चुनाव जीतना चाहती है। मैंने कहा प्रभु और भी अन्य एस.टी., एस.सी., ओ.बी.सी. खासकर महिलाओं की संख्या अधिक होने के कारण कौन सी पार्टी कितने टिकिट महिला को दे रही है। यह एक अहम मसला है।

कलि बोले-सुनो वत्स, जिस दल ने नारी शक्ति को अधिक से अधिक मौका दिया वही इस बार बाजी मार सकता है। इतना कहकर कलि अंतर्ध्यान हो गये।

(क्रमशः---)

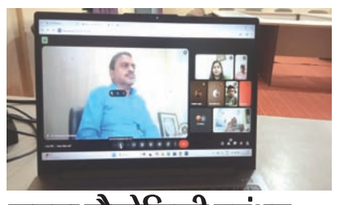

सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधन एवं प्रसार पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

सिवनी मालवा। स्थानीय शासकीय कुसुम महाविद्यालय में सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधन और प्रसार पर उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित वेबीनार का आयोजन किया गया इस वेबीनार में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आर के रघुवंशी ने उद्घाटन भाषण प्रेषित किया तथा सूचना प्रौद्योगिकी का बेहतर प्रबंधन और प्रसार करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस राष्ट्रीय वेबीनार में एमिटी विश्वविद्यालय कोलकाता की प्रख्यात प्रोफेसर डॉ रमाकांत भारद्वाज ने NEP2020 में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रबंधन एवं उसका उचित प्रसार पर अपने विचार व्यक्त किया। इस वेबीनार में उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग एवं उसके प्रबंधन एवं प्रसार में आने वाली दिक्कतों का भी विस्तार से वर्णन किया। द्वितीय वक्त के रूप में डॉक्टर विभाग ठाकुर रघुवंशी मैडम जो करियर डेवलपमेंट ट्रेनर तथा मंगलम यूनिवर्सिटी में पदस्थ हैं रही,उन्होंने वेबीनार में बिग डाटा एनालिटिक्स भारतीय पर्सपेक्टिव में दिया ।तथा बिग डाटा का प्रबंध कैसे किया जाता है ताकि मानव सेवा में इसे उपयोग किया जा सके। तृतीय वक्त के रूप में श्रद्धा सक्सेना जो की विप्रो सर्टिफाइड ट्रेनर है उन्होंने Gen AI विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किय तथा उसकी उपयोगिता भी बताई।

सरकारी जमीन पर बन रहा था मदरसा, प्रशासन ने तोड़ा

जबलपुर में एक महिला करा रही थी निर्माण, एक किन्नर पर फंडिंग करने का आरोप

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर में सोमवार को प्रशासन ने सरकारी जमीन पर बन रहे एक मदरसे का कब्जा हटाया है। ये कार्रवाई आधारताल तहसील के तहत आने वाले आयशा नगर क्षेत्र में की गई है। यहां सरकारी जमीन पर पिछले एक साल से कब्जा किया जा रहा था। मदरसे की बुनियाद (नींव) डाल दी गई थी। तहसीलदार, एसडीओपी और थाना प्रभारी आधारताल की मौजूदगी में उसे तोड़ने की कार्रवाई की गई। इस मामले में हिंदू संगठन ने प्रशासन से अतिक्रमण की शिकायत की थी।

कुदवारी गांव की सरकारी भूमि के खसरा नंबर 135 पर करीब 950 वर्गफीट क्षेत्रफल में तक्सीम बानो नाम की महिला निर्माण करा रही थी। प्रशासन ने बताया कि पहले भी इस संबंध में नोटिस जारी कर बेदखली का आदेश दिया गया था, लेकिन आदेश का पालन नहीं हुआ। इसके बाद सोमवार को टीम ने मौके पर पहुंचकर पिलर और निर्माण सामग्री हटाई।

किन्नर कर रहा था फंडिंग

हिंदू धर्म सेना के कार्यकर्ता मनोज रजक का कहना है कि कुदवारी एरिया के आयशा नगर की पूरी जमीन सरकारी है। धीरे-धीरे कर लोग यहां कब्जा कर रहे हैं। रजक का आरोप है कि एक किन्नर मदरसा के लिए फंड दे रहा है। कुछ ही दिनों में यहां मदरसा तैयार हो जाता।

तक्सीम बानो से पूछताछ की जाएगी: नायब तहसीलदार रमेश कुमार कोष्ठी ने बताया कि कब्जे की जमीन पर क्या निर्माण किया जा रहा था, इसकी जांच की जा रही है। मौके पर किसी को नहीं पाया गया। अब तक्सीम बानो से पूछताछ की जाएगी कि वहां पर निर्माण का उद्देश्य क्या था। उन्होंने कहा कि जमीन को अतिक्रमणमुक्त कर पंचनामा तैयार किया है और आगे की जांच जारी है।

पूरे गांव में सरकारी भूमि पर कब्जा

अधिकारियों को बताया गया कि गांव में पूरी भूमि सरकारी है और लोग इस पर कब्जा कर मकान बना रहे हैं। जिसके खिलाफ शिकायत होती है, प्रशासन उसी के खिलाफ कार्रवाई करता है। नायब तहसीलदार का कहना है कि जिनके खिलाफ शिकायत मिलेगी, उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

युवक राजू अहिरवार की संदिग्ध मौत

समाज के लोग निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे थे

एसडीओपी ने मामला को शांत किया

बुदनी ■ निसं

सिवनी मालवा के ग्राम सोमलवाड़ा निवासी युवक राजू अहिरवार की मौत के मामले में समाज के लोगों ने बुधनी थाने का घेराव किया। मामला संदग्धित मौत है। राजू अहिरवार 9 अक्टूबर से लापता था। 7 अक्टूबर को वह शाहगंज के पास डोबी गांव गया था। रविवार को उसका शव बांद्राभान उत्तर तट तरफ मिला था। शव की पहचान राजू अहिरवार निवासी सोमलवाड़ा जिला नर्मदापुरम के नाम से हुई थी। सोमवार को युवक की मौत के बाद अहिरवार समाज ने ओक्रोश में बुदनी थाने का घेराव कर दिया।

पुलिस और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारे बाजी की गई। भीड़ बढ़ते देख मामले को संभालने के लिए एसडीओपी रवि शर्मा भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने समाजिक लोगों से चर्चा की लोगों की मांग थी कि युवक की मौत के मामले में निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों को सख्त सजा दिलवाई जाए। एसडीओपी ने कार्रवाई का भरोसा दिलाया जिसके बाद भीड़ शांत हुई।

वनमाली सप्रे स्मृति महोत्सव, सितार एवं तबला वादन से श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

जबलपुर ■ निसं

वनमाली सप्रे स्मृति महोत्सव के अंतर्गत शनिवार 11 अक्टूबर को सायं खचाखच भरे शहीद स्मारक सभागृह में शास्त्रीय संगीत सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथी डॉ. जगदीश चंद्र गौर, वरिष्ठ चिकित्सक एवं श्री सुरेश अग्रवाल वरिष्ठ प्रचारक, रा.स्व.संघ रहे। कार्यक्रम की प्रथम प्रस्तुति में बंगलोर से पधारे 10 वर्षीय बालक मास्टर प्रद्युम्न करपूर का तबला वादन रहा. तालयोगी पंडित सुरेश तलवलकर जी के युवा शिष्य प्रद्युम्न ने अपने तबला वादन का आरंभ ताल झपताल से किया। इसमे आपने पेशकार, कायदा, मुखडे, तुकडे, रेला, परण, तिहाई, चक्करदार आदि प्रकारो को अत्यंत स्पष्टता एवं शुद्धता के साथ प्रस्तुत कर श्रोताओ को मंत्रमुग्ध कर दिया. आपके साथ हार्मोनियम पर पुणे से पधारे श्री आकार श्रुती ने अत्यंत मधुर एवं सुलझी हुई संगत कर श्रोताओ की वाह वाही लुटी।

कार्यक्रम के द्वितीय प्रस्तुती में आई.टी.सी. संगीत रिसर्च अकादमी कोलकाता से पधारे श्री अयान सेनगुप्ता ने अपने सितार वादन की सुमधुर प्रस्तुती दी. कार्यक्रम का आरंभ आपने राग शुध्द कल्याण से किया। परंपरागत आलाप, जोड, झाला प्रस्तुत करने के बाद आपने तीनताल ताल में दो बंदिशे प्रस्तुत की। राग की स्पष्टता, लयकारी एवं मधुरता आपके वादन की विशेषता रही. कार्यक्रम का समापन आपने राग हेमंत व धुन से किया. आपके साथ तबले पर पुणे से पधारे श्री अजिंक्य जोशी द्वारा अत्यंत प्रशंसनीय एवं सराहनीय संगत प्रस्तुत की गई।

वार्ड क्रमांक 08 में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर के वार्ड क्रमांक 08 में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत वार्ड पार्षद श्रीमती अनुराधा दीपक दीक्षित ने पोलियो दवा पिलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अभियान में वार्ड के सभी नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई।

कार्यक्रम के दौरान वार्ड के नन्हे-मुन्ने बच्चे – शिवन्या लोवंशी, आरुषि तंवर, आर्या बरखाने, शशांक लोवंशी, विनायक सोनी, रुपेश कुशवाह सहित अन्य सभी बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाई गई।

वार्ड पार्षद श्रीमती अनुराधा दीपक दीक्षित समय-समय पर आंगनवाड़ी केंद्रों का दौरा करती रहती हैं और आंगनवाड़ी के सुचारू संचालन में अपना सहयोग प्रदान करती हैं।

वहीं पार्षद प्रतिनिधि श्री दीपक दीक्षित ने कहा कि हर बच्चे को पोलियो की दवा अवश्य पिलानी चाहिए। उन्होंने बताया कि हम सभी का कर्तव्य है कि देश को पोलियो मुक्त बनाने के लिए लोगों में निरंतर जागरूकता फैलाएं।

कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा बताया गया कि केंद्र में बच्चों के वजन मापने की मशीन खराब हो चुकी है, जिस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए पार्षद प्रतिनिधि दीपक दीक्षित ने अपनी ओर से जल्द ही नई वजन मापने की मशीन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

वार्ड पार्षद श्रीमती अनुराधा दीपक दीक्षित ने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे प्रत्येक पोलियो दिवस पर अपने बच्चों को बूथ पर ले जाकर दवा अवश्य पिलाएं, ताकि देश को पूर्णत: पोलियो मुक्त बनाया जा सके।

इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सविता झरानियां और सहियका सायरा बी भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने घर-घर जाकर लोगों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए प्रेरित किया।

निमाड़फ्रेश एफपीओ - खरगोन, मप्र के लिए ऐतिहासिक पल!

खरगोन ■ निसं

11 अक्टूबर 2025 को निमाड़फ्रेश FPO को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का गौरव प्राप्त हुआ। इस अवसर पर हमारे ष्टश्वह्र ने किसानों की सामूहिक शक्ति, रसायन-मुक्त खेती और निर्यात-उन्मुख कृषि के हमारे विज़न को दिल्ली स्थित पूसा कैंपस के फार्म पर प्रस्तुत किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि – हम चाहते हैं कि FPO 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' में अग्रणी भूमिका निभाएँ, जिससे देश को दालों के लिए अन्य देशों पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने साथ ही 'धन-धान्य योजना' का शुभारंभ किया, जो उन क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने पर केंद्रित है जहाँ दालों की उत्पादकता कम है।

मोदी ने प्रेरित किया कि –

मिट्टी हमारी माँ है, उसे ज़हर नहीं देना है। रसायन-मुक्त एवं प्राकृतिक खेती अपनाएँ, सामूहिक खेती करें, खेतों में सोलर ऊर्जा का उपयोग करें, वर्षा जल संचयन से वाटर टेबल बढ़ाएँ, वैल्यू एडिशन से किसानों की आय दोगुनी करें। उन्होंने निमाड़फ्रेश FPO की रसायन-मुक्त खेती को बढ़ावा देने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की और कहा – साथ मिलकर और अधिक किसानों को जोड़िए, खूब दालो का उत्पादन कीजिए, सरकार सहयोग करेंगी।

निमाड़फ्रेश FPO, भारत सरकार की 10,000 FPO योजना के अंतर्गत नाबार्ड समर्थित संस्था है, जिसमें 750 पंजीकृत किसान एवं 3000 से अधिक जुड़े हुए किसान सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। हम मुख्यत: काबुली चना एवं लाल मिर्च के उत्पादन पर फोकस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के साथ बिताए गए 45 सुनहरे और ऐतिहासिक मिनट हमारे लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। हम समस्त मंत्रालयों, सरकारी विभागों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने हमें यह अवसर प्रदान किया। निमाड़फ्रेश – मिट्टी से लेकर मंडी तक, किसान से लेकर निर्यात तक!

इंदौर में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, 3 लोगों की मौत

इंदौर। इंदौर में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 3 लोगों की मौत हो गई। जबकि करीब 25 लोग घायल हो गए। ये हादसा सांवेर में चंद्रावतीगंज के पास सोमवार शाम को हुआ है। घायलों को सांवेर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, घटनास्थल पर एम्बुलेंस को भेजा गया है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर शिवम वर्मा ने इंदौर के एमवाय अस्पताल और अरविंदो अस्पताल को अलर्ट रहने को कहा है। सीएमएचओ डॉ. माधव हासानी ने कहा है कि टीम अलर्ट मोड पर है। एएसपी रूपेश द्विवेदी के मुताबिक मोड़ आने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस हादसे में जानी बाई (उम्र 40 साल) और कमला बाई (उम्र 50 साल) की मौके पर ही मौत हो गई। एक नाबालिग की घटनास्थल से अस्पताल लाते समय रास्ते में मौत हो गई। दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। चंद्रावतीगंज थाना पुलिस के मुताबिक, ट्रैक्टर-ट्रॉली में मजदूर सवार थे। चंद्रावतीगंज के नजदीक रतन खेड़ी गांव से कुछ मजदूर खेतों में काम करके वापस अपने घर बीबी खेड़ी और हरिया खेड़ी जा रहे थे। तभी बीबी खेड़ी और रतन खेड़ी के बीच में ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई।

पश्चिम मध्य रेल में स्वच्छता हेतु विशेष अभियान 5.0 जारी

विशेष अभियान 5.0 के तहत स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और ई-फाइल सुधार पर जोर

जबलपुर ■ निसं

महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में पश्चिम मध्य रेलवे में दिनांक 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छता के लिए विशेष अभियान 5.0 संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रेल परिसरों में स्वच्छता को सुदृढ़ करना तथा प्रशासनिक दक्षता में सुधार लाना है।

इस विशेष अभियान के अंतर्गत तीनों मण्डलों के सभी स्टेशनों, कार्यालयों एवं कार्यस्थलों पर स्वच्छता, ई-कचरा प्रबंधन, स्क्रैप निपटान, स्थान के अधिकतम उपयोग तथा ई-फाइलों की समीक्षा जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही अपशिष्ट से राजस्व अर्जित करने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। प्रत्येक कार्यालय एवं स्टेशन पर स्वच्छता अभियान के लिए निर्धारित लक्ष्य तय किए गए हैं तथा स्क्रैप की मात्रा का आकलन कर उससे प्राप्त होने वाले राजस्व की गणना भी की जा रही है। ई-ऑफिस प्रणाली में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की जा रही है ताकि सभी मामलों का शीघ्र निपटारा किया जा सके।

रेल प्रशासन द्वारा इस अवधि में अपशिष्ट से संपदा की अवधारणा को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके माध्यम से न केवल स्वच्छता सुनिश्चित की जा रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ उपयोग में न आने वाले संसाधनों का आर्थिक रूप से पुन: उपयोग करने पर भी बल दिया जा रहा है। विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत भारतीय रेल की नागरिक-केंद्रित पहल अमृत संवाद भी संचालित की जा रही है। यह पहल नागरिकों और यात्रियों से संवाद स्थापित कर रेलवे सेवाओं में सुधार हेतु उनके सुझाव प्राप्त करने का माध्यम है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए यात्रियों से फीडबैक प्राप्त करना है। इसी क्रम में कटनी साऊथ, ब्यौहारी, बूंदी, भोपाल एवं कोटा रेलवे स्टेशनों पर अमृत संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उपडाकपाल अरविन्द कुमार जोशी को समारोह पूर्वक विदाई दी

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर के पोस्ट आफिस में उपडाकपाल अरविन्द कुमार जोशी की पदोन्नति उच्चक्षेणी एक डाकपाल के रूप में होने पर सिवनी मालवा पोस्ट आफिस से हरदा मुख्यडाकघर में भारग्रहण के लिए सोमवार को उपडाकघर उनके स्वागत में एक विदाई समारोह का आयोजन किया। नारायण सिह मेहर डाक सहा ने तदर्थ रूप से डाकपाल सिवनी मालवा का प्रभार ग्रहण किया। वरिष्ट अभिकर्ता नरेश राठोर ने बताया कि अरविंद जोशी सिवनी मालवा के निवासी है विगत वर्षों में उनके द्वारा सिवनी मालवा, इटारसी, टिमरनी नर्मदापुरम हरदा आदि शहरो के डाकघरो में विभिन्न पदों पर कार्य कियां है। उनका उनका व्यवहार व कार्य हमेशा सहयोगात्मक रहा है व डाक विभाग में सी वी एस प्रणाली तथा आई टी 2.0 प्रणाली लागु करने में उनका विशेष योगदान रहा। उच्चक्षेणी -1 डाकपाल के रूप में चयन पुरे सिवनी मालवा शहर के लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर दीपेश यादव उपडाकपाल बानापुरा, अमित रघुवंशी, जयंत सान्गुल्ले, सतीश सलोकी, हेमंत सोनी, मनोज सिंह, संतोष साकेत, अजय पटेल, व अभिकर्ताओ में नरेश राठोर, हरिओम रातोर, अनिल अग्रवाल, नितिन कुशवाहा, महेंद्र सूर्यवंशी, उमेश राहोत, आदि उपस्थित रहे ।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की आठवीं राज्य रैली का रेलवे जीएम ने अवलोकन किया

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के सदस्यों ने जीएम को स्कार्फ पहनाकर सम्मानित और मार्चपास्ट से सलामी दी

जबलपुर ■ निसं

पश्चिम मध्य रेल भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य मुख्यालय द्वारा रेलवे स्टेडियम, जबलपुर में 11.10.2025 से 15.10.2025 तक आठवीं राज्य रैली आयोजित कि जा रही है। इस 5 दिवसीय राज्य रैली में पश्चिम मध्य रेल के तीनो मंडलों जबलपुर, भोपाल, कोटा एवं मुख्यालय से लगभग 350 स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर एवं यूनिट लीडर शामिल है।

इस अवसर पर सोमवार 13 अक्टूबर 2025 को पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने पश्चिम मध्य रेल भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य मुख्यालय द्वारा रेलवे स्टेडियम, जबलपुर में आयोजित आठवीं राज्य रैली का अवलोकन कर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के सदस्यों ने जीएम को स्कार्फ पहनाकर सम्मानित और मार्चपास्ट से सलामी दी गई इसके पूर्व भारत स्काउट-गाइड ध्वज का ध्वजारोहण किया गया। मार्च पास्ट में पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर, भोपाल, कोटा के स्काउट एवं गाइड टीम और बैंड टीम शामिल हुई।

महाप्रबंधक ने आकर्षक बैंड पार्टी का प्रदर्शन, पॉयनियरिंग प्रोजेक्ट प्रतियोगिता, प्रदर्शनी, रंगोली प्रतियोगिता के प्रतिभागियों की प्रतिभा एवं कला और कौशल की सराहना की। साथ ही भारत स्काउट्स एवं गाइड्स कैंप का विधिवत अवलोकन किया।

इस आठवीं राज्य रैली में अपर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार खत्री एवं वरिष्ठ उप महाप्रबंधक नीरज कुमार, प्रमुख मुख्य दूरसंचार एवं संकेत इंजीनियर एकनाथ मोहकर, प्रमुख मुख्य इंजीनियर आशुतोष, प्रधान वित्त सलाहकार सुश्री मनजीत कौर, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक कुशाल सिंह, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक मनीष तिवारी, प्रमुख मुख्य यांत्रिकी इंजीनियर एम विजय कुमार, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी प्रवीन खोराना, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी एस डी पाटीदार, प्रमुख मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर मुकेश, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता, प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त राजीव कुमार यादव एवं मण्डल रेल प्रबन्धक जबलपुर कमल कुमार तलरेजा सहित मुख्यालय के मुख्य विभागाध्यक्ष और जबलपुर, भोपाल, कोटा मण्डल के वरिष्ठ अधिकारीगण भी शामिल रहे।

साढ़े दस हजार बच्चों को पिलाई गई दो बूंद जिंदगी की

माखननगर ■ निसं

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ विधायक ठाकुर विजयपाल सिंह ने बच्चों को दो बूंद की पिलाकर किया । विकासखंड क्षेत्र में अभियान की सफलता हेतु 164 बूथ तथा 4 ट्रांजिस्ट एवं दो मोबाइल टीम लगाई गई है । जिसमें रविवार को प्रथम दिवस लगभग 54 सी टाइप बूथों पर शत-प्रतिशत बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जावेगी तथा शेष 110 बी टाइप बूथों पर अगले कार्य दिवस पर बच्चों को

घर घर जाकर दवाई पिलवाई जावेगी । अभियान के दौरान लगभग 14967 बच्चों को पोलियों खुराक पिलाई जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है । अभियान की सफलता हेतु बूथ पर लगभग 340 कर्मचारी एवं 25 सुपरवाइजर के साथ ही 10 चिकित्सा अधिकारियों के दल लगाए गए ।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के मन से दूर करेंगे अंग्रेजी का डर

भोपाल। सरकारी स्कूलों में हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा विशेषकर बोलचाल में प्रवीण बनाने ओर आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ इंदौर प्रोफेशनल्स ने पहल की है। इस योजना के तहत सरकारी स्कूलों के हाई स्कूल के विद्यार्थियों को 3000 इंग्लिश किट एक साथ में स्कूल बैग भी प्रदान किए जाना हैं। लिटरेसी प्रोगाम के प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर अक्षत गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में शिक्षा समय में अंग्रेजी के महत्व को देखते हुए बच्चों के लिए लाभप्रद होगी। अध्यक्ष भानु तपाडिया ने कहा कि मंडल के 3000 विद्यार्थियों को यह किट्स वितरित किए जाएंगे।आयोजन में संयुक्त संचालक शिक्षा श्रीमती अनिता चौहान ने बच्चों को अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया व रोटरी के सहकारी स्कूलों की बेहतरी में सहयोग की सराहना की। आधारभूत ढांचे को सुधारने में कार्य रही है, एवम बच्चे इन 6 बुक्स के माध्यम से ग्रामर पर भी फोकस कर सकेंगे। इस अवसर पर पर लिटरेसी डायरेक्टर दिव्या डफरिया व सुनील अत्तरी, रस्म के अध्यक्ष भगवतीप्रसाद पंडित एवं रोटरी क्लब ऑफ इंदौर प्रोफेशनल्स के सदस्य गण भी उपस्थित थे। स्कूल की प्राचार्या श्रीमती शबाना शेख ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की गतिविधियों व उप्लब्धियों पर प्रकाश डाला। प्रतिभावान बच्चों एवं श्रेष्ठ परिणाम देने वाले स्कूल के शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया। छात्र परिषद को शपथ दिलाई गई। संचालन श्रीमती अंजलि वेद एवं रुचिरा मोहिते ने किया आभार अनामिका जैन ने माना। नितिन डफरिया ने बताया के बच्चों को प्रौढ़ शिक्षा के लिए एक बच्चा एक शिक्षित बुजुर्ग का मंत्र दिया। इसे सरकारी स्कूलों के बच्चों के अत्यंत उपयोगी निरूपित किया। इससे सरकार के साक्षरता अभियान को काफी हद तक गति मिलने की संभावना भी जताई गई।

आज से मंगल पुष्य नक्षत्र का आरंभ... सज गए शहर के बाजार

भोपाल। दीपावली से पहले मंगलवार को पुष्य नक्षत्र पडना बेहद मंगलकारी माना जा रहा है। मंगल-पुष्य नक्षत्र संजोग में व्यापार के लिए नए खाता बही, नए वाहन, जमीन-जायदाद के सौदे, गहने, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स समान खरीदना शुभ रहेगा। मंगलवार को सिद्धि योग वहीं बुधवार को साध्य योग का संयोग पुष्य नक्षत्र की खरीदी को शुभ बनाएगा। ग्रहों की स्थिति अनुसार दीपावली से पहले आने वाला यह पुष्य नक्षत्र खरीदारी के लिए धनतेरस के समान फलदायक है। पंचांगों के अनुसार भूमि पर मंगल का आधिपत्य है, अत- मंगल पुष्य में खरीदी गई जमीन व्यक्ति विशेष के लिए विशेष फलदायी रहेगी। उल्लेखनीय है कि पुष्य नक्षत्र सभी नक्षत्रों में सर्वाधिक शुभ एवं बलवान होने के कारण नक्षत्रराज कहलाता है। विवाह को छोडक़र सभी मांगलिक शुभ कार्यों में पुष्य नक्षत्र का महत्व है। शास्त्रों में पुण्य को सौ दोषों को दूर करने वाला, शुभ कार्य उद्देश्यों में निश्चित सफलता प्रदान करने वाला एवं बहुमूल्य वस्तुओं की खरीदारी हेतु सबसे श्रेष्ठ एवं शुभ फलदायी माना गया है। सदियों से ऐसा माना जाता है कि पुष्य नक्षत्र के दिन किए गए हर शुभ कार्य का परिणाम कई गुना हो जाता है। पुष्य नक्षत्र मंगलवार को कार्तिक कृष्ण अष्टमी दिन मंगलवार को दोपहर 3.42 पर लगेगा, जो अगले दिन बुधवार 15 अक्टूबर को दोपहर 3.19 तक रहेगा। स्वराशि कर्क का चंद्रमा 14 तारीख मंगलवार को दिन में 9.50 से लेकर अगले दिन यानी बुधवार संपूर्ण दिन रात्रि रहकर, 16 को दोपहर को 3.27 तक चंद्रमा कर्क राशि में रहेगा। पुष्य नक्षत्रों का राजा माना जाता है। इस बार दीपावली से पूर्व मंगलवार को पुष्य नक्षत्र का शुभ संयोग है। मंगलवार को पुष्य नक्षत्र का संचरण होने पर इसे मंगल पुष्य के नाम से जाना जाता है।

वन भूमि अतिक्रमण के साधारण मामले कोर्ट से होंगे वापस

भोपाल। राज्य सरकार ने वन भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाए जाने के बाद कोर्ट में चल रहे इससे संबंधित केस वापस लेने की तैयारी की है। इसको लेकर वन विभाग ने वन बल प्रमुख को निर्देश जारी कर कहा है कि जिला स्तरीय समितियों के माध्यम से कार्रवाई की जाकर इस तरह के मामले खत्म किए जाएं। इसके विपरीत वन अपराधों से संबंधित केस वापस नहीं होंगे, यह भी स्पष्ट किया गया है। उधर मुख्यमंत्री ने अतिक्रमण से मुक्त होने वाली ऐसी भूमि पर समृद्ध वन विकसित करने के भी निर्देश वन अफसरों को दिए हैं। वन विभाग द्वारा दिए गए निर्देशों में कहा गया है कि जिला स्तरीय समितियां प्रदेश में वन भूमि के अतिक्रमण से मुक्त होने पर ऐसे मामलों में चल रहे कोर्ट प्रकरणों को वापस लिया जाए। जिला स्तरीय समिति में कलेक्टर अध्यक्ष होंगे और डीएफओ सदस्य तथा जिला अभियोजन अधिकारी सदस्य सचिव होंगे। इनके द्वारा न्यायालयीन मामलों की लगातार समीक्षा और परीक्षण कर निर्णय लेने की कार्यवाही की जाएगी। वन विभाग के अफसरों के अनुसार वन अधिकार अधिनियम 2006 लागू होने पर 13 दिसम्बर 2005 तक वन भूमि पर आदिवासियों द्वारा किए गए अतिक्रमण संबंधी साधारण वन अपराध के मामलों को जांच की प्रक्रिया से वापस लेते हुए निरस्त करने के आदेश 6 अगस्त 2006 को दिए गए हैं।

एनएसयूआई ने मिशन संचालक को शिकायत कर की दोषी सीएचओ और कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग

निजी नर्सिंग कॉलेजों में एनएचएम कर्मचारियों को फर्जी फैकल्टी दिखाने का बड़ा फर्जीवाड़ा

फर्जी नर्सिंग कालेजों को मान्यता के लिए सीएचओ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी नर्सिंग कॉलेज में कागजों में फैकल्टी-रवि परमार

भोपाल ■ निसं

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनपएचएम) की मिशन संचालक को एक गंभीर शिकायत सौंपी है। अपनी शिकायत में एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने आरोप लगाया गया है, कि प्रदेश के कई निजी नर्सिंग कॉलेजों में सीएचओ (कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर) एवं एनएचएम के अन्य नियमित कर्मचारी कागज़ों पर फैकल्टी के रूप में दर्शाए जा रहे हैं , जबकि वे वास्तव में अपने मूल पदों पर कार्यरत हैं। एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि यह मामला न केवल मध्यप्रदेश नर्सिंग काउंसिल के मान्यता नियमों का उल्लंघन है, बल्कि शासकीय सेवा आचरण नियमों के तहत दंडनीय अपराध भी है।

सरकार से सैलरी लेने वाले कर रहे दो जगह नौकरी: रवि परमार का आरोप है कि सरकारी वेतन प्राप्त करने वाले कर्मचारी दो जगह कार्य कर रहे हैं, एक तरफ वे एनएचएम के अधीन सेवा में हैं, वहीं दूसरी ओर नर्सिंग कॉलेजों में फैकल्टी दिखाकर कॉलेज संचालकों को फर्जी मान्यता दिलवा रहे हैं।

सरकारी कर्मचारियो और निजी कॉलेज संचालको का संगठित फर्जीवाड़ा: जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने कहा कि यह एक संगठित फर्जीवाड़ा है, जिसमें सरकारी पदों पर बैठे लोग और निजी कॉलेज संचालक मिलकर नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। इससे न केवल नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता पर असर पड़ा है बल्कि सरकारी धन का भी दुरुपयोग हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो एनएसयूआई इस पूरे मामले को माननीय न्यायालय और सीबीआई तक ले जाएगी तथा दस्तावेज़ों सहित जांच की मांग करेगी। वहीं अक्षय तोमर ने कहा कि इस प्रकार की दोहरी नियुक्ति और फर्जी फैकल्टी की प्रवृत्ति से प्रदेश की नर्सिंग शिक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक पारदर्शिता दोनों खतरे में हैं। ऐसे में शासन को तत्काल सख्त कदम उठाने होंगे ताकि भविष्य में कोई भी अधिकारी या कर्मचारी इस प्रकार के फर्जीवाड़े की हिम्मत न करे । एनएसयूआई ने मांग की है कि ऐसे सभी सीएचओ और एनएचएम कर्मचारियों की तत्काल जांच की जाए जिनके नाम नर्सिंग कॉलेजों की फैकल्टी सूची में दर्ज हैं, और जिन कर्मचारियों के नाम दो जगह पाए जाएं, उनके विरुद्ध तत्काल निलंबन एवं कानूनी कार्यवाही की जाए।

सूर्य उपासना के पर्व छठ के लिए भोपाल तैयार

शहर के 52 घाटों पर पूजा की तैयारी, लाखों लोग अर्पित करेंगे सूर्य को अर्घ्य

भोपाल ■ निसं

सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा नजदीक आते ही राजधानी भोपाल में तैयारियां तेज हो गई हैं। नगर निगम और प्रशासन की टीमों ने घाटों पर साफ-सफाई, रंग-रोगन, मरम्मत, विद्युत साज-सज्जा, चेंजिंग रूम, चलित शौचालय और पेयजल जैसी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का काम शुरू कर दिया है। शहर के प्रमुख छठ घाट जैसे शीतल दास की बगिया, कमला पार्क, वर्धमान पार्क (सनसेट पॉइंट), खटलापुरा घाट, काली मंदिर घाट, प्रेमपुरा घाट, अयोध्या बायपास, हथाईखेड़ा डैम, बरखेड़ा और घोड़ा पछाड़ डैम सहित कुल 52 स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन किया जाएगा। भोजपुरी एकता मंच के अध्यक्ष कुंवर प्रसाद ने बताया कि इन सभी स्थलों पर इस बार लाखों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। छठ महापर्व को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है और तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

घाटों पर होगी विशेष व्यवस्था: राजधानी भोपाल में छठ महापर्व को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। गतदिनों दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में स्थित प्रमुख छठ घाटों का निरीक्षण किया गया। महापौर मालती राय और क्षेत्रीय विधायक भगवानदास सबनानी ने घाटों की साफ-सफाई, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान नगर निगम अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान नीलबड़, प्रेमपुरा, 5 नंबर स्टॉप, भीमनगर और शीतलदास की बगिया स्थित घाटों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। महापौर और विधायक के साथ एमआईसी सदस्य आरके. सिंह बघेल, जोन अध्यक्ष आरती अनेजा, पार्षद देवांशू कंसाना और पार्षद योगेंद्र चौहान समेत भाजपा पदाधिकारी और नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे। महापौर मालती राय ने निरीक्षण के दौरान कहा कि छठ पूजा आस्था और श्रद्धा का पर्व है। इसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं, ऐसे में सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घाटों के आसपास की झाडियां हटाई जाएं, अस्थायी चेंजिंग रूम बनाए जाएं, पर्याप्त प्रकाश, पीने के पानी की व्यवस्था और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए।

अस्थायी जलाशयों की मरम्मत भी होगी

महापौर ने यह भी निर्देश दिए कि जिन घाटों पर अस्थायी जलाशय बनाए गए हैं, वहां समय रहते मरम्मत और पुताई कराई जाए। साथ ही जरूरत अनुसार जीरा-गिट्टी डालकर समतलीकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पूजन सामग्री के निस्तारण की भी योजना

महापौर ने छठ पूजा के उपरांत घाटों पर स्वच्छता बनाए रखने और पूजन सामग्री को अलग से एकत्र करने की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए, ताकि पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे और घाटों की स्वच्छता बनी रहे। विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि छठ पूजा एक आस्था का पर्व है, ऐसे में श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

घाटों पर होगी विशेष व्यवस्था

नगर निगम अधिकारियों को घाटों की मरम्मत, जलभराव की समस्या से निपटने, फॉगिंग कराने और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की तैनाती के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही भीड़ नियंत्रण और महिलाओं की सुविधा को लेकर विशेष तैयारी करने को कहा गया है ।ननगर प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएंगी ताकि श्रद्धालु छठ पूजा निर्विघ्न और श्रद्धा के साथ मना सकें।

राष्ट्रीय न्याय सत्याग्रह के तहत भोपाल में शांतिपूर्ण अनशन

देश के ज्वलंत जनमुद्दों पर ज्ञापन सौंपा गया

भोपाल ■ निसं

देशभर के सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों, युवाओं, कवियों एवं जनसंगठनों ने आज राष्ट्रीय न्याय सत्याग्रह के बैनर तले जयंती मैदान, भोपाल में एकदिवसीय शांतिपूर्ण सामूहिक अनशन किया।

इस अवसर पर राष्ट्रपति तथा मुख्य न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट को संबोधित ज्ञापन उप जिला अधिकारी भोपाल के माध्यम से सौंपा गया ।कार्यक्रम का समन्वय राष्ट्रीय न्याय सत्याग्रह द्वारा किया गया, जिसमें देशभर से विभिन्न संगठनों ने भागीदारी की । आदिवासी विकास परिषद, अखिल भारतीय जनवादी महिला संगठन, स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया बहुजन इंटेलेक्ट, माझी सरकार, भोपाल ग्लोबल पावर, राष्ट्रीय पर्यावरण बचाओ अभियान, जागो भारत अभियान, ग्लोबल इंडिजिनस वॉइस फॉर एजुकेशन, एनवायरनमेंट, अर्थ एंड नेचर अजाक्स, अखिल भारतीय अपॉक्स संस्था, पराक्रम जनसेवी संस्थान, आदिवासी कला एवं संस्कृति केंद्र आदि संस्थाएँ प्रमुख रूप से शामिल हुईं। सामाजिक कार्यकर्ता शरद सिंह कुमरे ने जानकारी दिया कि अनशन में विभिन्न जाति, धर्म और समाज के लोग देश के संविधान और लोकतंत्र को मजबूत करने के मकसद से एकत्र हुए थे।

बारूद के ढेर पर बैठी है 25 हजार की आबादी!

आवासीय क्षेत्र में चल रहीं 15 होलसेल फटाका दुकाने

भोपाल ■ निसं

उपनगर के पास हलालपुर-लालघाटी जो आवासीय एवं कमर्शियल क्षेत्र है वहां पर इस बार भी जिला प्रशासन के अधिकारियों ने निजी स्वार्थ के चलते होलसेल एवं रिटेल फटाका व्यापारियों को दुकानें लगाने की अनुमति दी है। इन दुकानों में दीपावली पर्व की बिक्री के चलते 10 करोड़ रुपए का बारूद भरा गया है। यहां पर फटाका दुकानों के मात्र 100 -200 मीटर दूरी पर तीन पेट्रोल पंप, पांच होटले ,दो ढाबे हैं। इंदौर-भोपाल राजमार्ग पर ये सभी दुकाने स्थित है इस मार्ग पर हजारों बड़े वाहनों का रोजाना गुजरना होता है इन वाहनों के साइलेंसर से निकली एक चिंगारी किसी भी फटाका दुकान में घुसकर पूरे लालघाटी- हलालपुर क्षेत्र को तबाह कर सकती है।

उधर फटाका व्यापारी एसोसिएशन का कहना है कि यहां पर वर्षों से 15 होलसेल फटाका दुकानें चली आ रही है इन दुकानों के गोदाम शहर से 5 किलोमीटर दूरी पर है लेकिन दुकानों पर केवल ग्राहकों की सप्लाई के लिए ही माल रखा गया है और आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। जबकि नियमों अनुसार राजमार्ग से 100 मीटर दूर तथा पेट्रोल पंप एवं ढाबों से 500 मीटर की दूरी पर ही फटाका दुकान होनी चाहिए।

शिकायतों पर सुनवाई नहीं: लालघाटी क्षेत्र में रहने वाले लोगों का कहना है कि यहां पर करीब एक दर्जन आवासीय कॉलोनी है जिसमें करीब 20000 लोग निवास करते हैं इसी तरह हलालपुर क्षेत्र में भी पांच आवासीय कॉलोनी है जिसमें 5000 लोग निवास करते हैं। पेटलावद तथा हरदा में हुई फटाका दुकानों एवं फैक्ट्री में आगजनी की घटना से भी जिला प्रशासन के अधिकारियों ने अभी तक कोई सबक नहीं लिया है।

दिवाली पर दूध, मावा-मिठाई की जांच करेंगे अफसर

फूड कंट्रोलर ने कलेक्टर को लिखा लेटर, कहा-हर रोज सैंपलिंग करवाएं

भोपाल ■ निसं

दिवाली पर दूध, मावा-मिठाई समेत खाद्य सामग्री की जांच के लिए टीमें मैदान में उतरेंगी। इसे लेकर फूड कंट्रोलर दिनेश श्रीवास्तव ने सभी कलेक्टरों को भी लेटर लिखा है। लेटर के बाद भोपाल में टीमें मैदान में उतर गई हैं। होटल, रेस्टोरेंट, डेयरी पर जांच के साथ ही ट्रेनों पर भी नजर रखी जाएगी। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र से भोपाल में हर साल अमानक मावा पहुंचता है। फूड कंट्रोलर श्रीवास्तव ने लिखा में कहा है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तथा नियम 2011 का कड़ाई से पालन कराया जाए।

पत्र में लिखा- त्योहारी सीजन में मिलावट की रोकथाम के लिए खाद्य प्रतिष्ठानों का लगातार निरीक्षण हो। जिन प्रतिष्ठानों पर मिलावट या संदिग्ध सामग्री की आशंका हो, वहां से तत्काल नमूने लेकर नियम अनुसार कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही अवैध रूप से खाद्य पदार्थ निर्माण करने वाले प्रतिष्ठानों पर भी अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए।

इन पर विशेष नजर: दिवाली के दौरान जिन खाद्य पदार्थों का उपयोग अधिक होता है। जैसे- दूध, मावा, मिठाई, तेल, मसाले, गिफ्ट हैम्पर, ड्राईफ्रूट, चॉकलेट, बिस्किट, नमकीन, ब्रांडेड स्वीट्स आदि की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके लिए फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब्स और चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं तैनात की जाए। इसी प्रकार मैजिक बॉक्स, चेकिंग पॉइंट्स और विशेष टीमें निरीक्षण करें। किसी भी शिकायत या संदिग्ध स्थिति की सूचना पर तत्काल मौके पर जाकर प्रभावी कार्रवाई करें और रिपोर्ट मुख्यालय भोपाल को अनिवार्य रूप से भेजें। त्योहार के अवसर पर मिठाई या खाद्य सामग्री खरीदते समय उसके निर्माण और समाप्ति तिथि, गुणवत्ता, ब्रांड और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें ताकि किसी प्रकार की मिलावट से बचा जा सके।

खरीदारी उनसे करें, जो आपकी खरीदी से दीपावली मना सकें

भोपाल। दीपावली से पहले भोपाल के चौक-चौराहों पर विश्व हिंदू परिषद के होर्डिंग्स चर्चा में हैं। वीएचपी के होर्डिंग्स पर लिखा है- अपना त्योहार अपनों से व्यवहार। दीपावली की खरीदारी उनसे करें, जो आपकी खरीदी से दीपावली मना सकें। वीएचपी के प्रचार प्रमुख जितेंद्र चौहान का कहना है कि विश्व हिंदू परिषद की ओर से लगवाए इन पोस्टर्स का एकमात्र उद्देश्य हिंदू का सपोर्ट करना है। हम इसके माध्यम से समाज का जागरण करना चाहते हैं। विश्व हिन्दू परिषद के पोस्टर्स को लेकर पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता पीसी शर्मा ने कहा- क्या ये लोग मोहन भागवत के खिलाफ हैं? भागवत जी कहते हैं सब अपने हैं। बाबा आदम के जमाने से सब अपने हैं। यह भारतीय संस्कृति है इस संस्कृति पर चोट करोगे तो ज्यादा दिन नहीं चलेगी। सांप्रदायिक सद्भाव के कई उदाहरण हैं।

डीआरएम ने असामान्य घटना टालने वाले 6 रेलकर्मियों को किया पुरस्कृत

भोपाल ■ निसं

मण्डल रेल प्रबन्धक श्री पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में ड्यूटी के दौरान सतर्कता, सूझ-बूझ एवं सजगता का परिचय देते हुए संभावित असामान्य घटनाओं को टालने वाले 6 रेलकर्मियों को मंडल कार्यालय में प्रशस्ति पत्र एवं संरक्षा नगद राशि से सम्मानित किया गया।

संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित रेलकर्मी-

■ देवाशीष देवेस- वरिष्ठ गुड्स ट्रेन मैनेजर (भोपाल)

■ सूरज सिंह- वरिष्ठ गुड्स ट्रेन मैनेजर (भोपाल)

■ अखिलेश कुमार-कांटेवाला (मंडीदीप)

■ संदीप सिंह मेहरा- वरिष्ठ गुड्स ट्रेन मैनेजर (भोपाल)

■ रंजन कुमार- कांटेवाला (मंडीदीप)

■ नितिन राज-इलेक्ट्रिक सिग्नल मेंटेनर (मुंगावली)

इन रेलकर्मियों ने अपनी सूझ-बूझ, सतर्कता एवं त्वरित कार्यवाही से गंभीर दुर्घटनाओं को रोकने का प्रशंसनीय कार्य किया है। इनके प्रयासों से न केवल रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई बल्कि रेलवे संपत्ति की भी सुरक्षा हुई। रेल प्रशासन कर्मचारियों के समर्पण, तत्परता एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करता है और भविष्य में भी इसी प्रकार कर्तव्य के प्रति समर्पित रहने हेतु प्रेरित करता है।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी ने कर्मचारियों के उत्साह, सजगता एवं समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसके लिए रेलकर्मियों को निरंतर प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री रोहित मालवीय, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री विजय शंकर गौतम, वरिष्ठ मंडल दूर संचार एवं संकेत इंजीनियर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रेलवे अस्पताल के सीएमएस ने सफाई मित्रों को किया सम्मानित

भोपाल ■ निसं

मंडल रेल प्रबंधक के मार्गदर्शन में स्वच्छता पखवाड़ा-2025 एवं स्वच्छता गतिविधियों में सफाई मित्रों के द्वारा लगातार सराहनीय योगदान दिया जा रहा है। इस अवसर पर दिनांक 13.10.2025 को मंडल रेल चिकित्सालय भोपाल में सफाई मित्रो द्वारा किये जा रहे सराहनीय कार्य एवं उनके उत्कृष्ट योगदान लिए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ अजय डोगरा के द्वारा सफाई मित्रो का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रो को उपहार देकर सम्मानित किया गया एवं आभार प्रकट किया गया।

इस अवसर अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (प्रशासन)- डॉ. रचना श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी (स्वास्थ्य)- डॉ. श्रुति मेढेकर, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक- श्री मुकेश राठौर, स्वास्थ्य निरीक्षक- श्रीमती शिखा देशमुख एवं चिकित्सालय स्टाफ उपस्थित रहे। इस अवसर पर चिकित्सालय एवं रेलवे कालोनी के लगभग 35 सफाई मित्र उपस्थित रहे।

अनमोल वचन

जिसमें दया नहीं है, वह तो जीते जी ही मुर्दे के समान है। दूसरे का भला करने से ही अपना भला होता है.
अज्ञात

निषेध से आकर्षण बढ़ता है। जिस चीज का इंकार किया जाए,उसमे एक तरह का रस पैदाहोना शुरू हो जाता है।
ओशो

मायावती की मेघा रैली में शक्ति प्रदर्शन से अखिलेश के उड़ गए होंश

कांतिलाल मांडोत

उत्तरप्रदेश विधानसभा में मिली करारी शिकस्त के बाद करीब नौ साल के बाद यह पहली विशाल रैली निकालकर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की आवाज सुनकर कार्यकर्ता फुले नही समाए।उत्तरप्रदेश में हार का कारण का पता लगाने की जगह मायावती ने अनर्गल बयान दिया।परंतु मायावती को आत्ममंथन की आवश्यकता थी।

लखनऊ में मायावती ने नौ साल बाद जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन किया।पांच लाख की जनमेदनी ने समाजवादी पार्टी को सोचने के लिए मजबूर कर दिया।हाथी की मस्त चाल से सियासत गरमा गई है।उत्तरप्रदेश के साथ बिहार में हलचल तेज हो गई है। उत्तरप्रदेश विधानसभा में मिली करारी शिकस्त के बाद करीब नौ साल के बाद यह पहली विशाल रैली निकालकर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की आवाज सुनकर कार्यकर्ता फुले नही समाए।उत्तरप्रदेश में हार का कारण का पता लगाने की जगह मायावती ने अनर्गल बयान दिया।परंतु मायावती को आत्ममंथन की आवश्यकता थी।मायावती की पार्टी बहुजन समाजवादी पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने विपक्षी पार्टियों पर आरोप लगा दिया था।लखनऊ में पार्टी सम्मेलन में पांच लाख की जनमेदनी देखकर मायावती ने कहा कि इनको बुलाया नही गया है।इतने लोग स्वयं चलकर अपनी मर्जी से पार्टी सम्मेलन का हिस्सा बने है। मायावती ने भाजपा और समाजवादी दोनो पर निशान साधते हुए बहुजन समाज एकता और राजनैतिक पुनरुत्थान का बिगुल फूंका।मायावती हर समय अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाहती है।मायावती की साख में उनकी पार्टी के पतन के साथ ही कमी महसूस की गई है।मायावती और बसपा की रणनीति का हिस्सा रहा है।दलितों को अपनी मुट्ठी में समझने वाली मायावती ने अपनी पार्टी का सिम्बोल हाथी का स्टेच्यू लखनऊ आदि शहरों में लगवा दिया था।मायावती की उड़ान मन्द पड़ गई है।अब मायावती की झोली खाली है।दलितों को बराबरी का सपना दिखाने वाली मुख्यमंत्री की कुर्सी पर पहुंचने वाली मायावती का मंसूबा प्रधानमंत्री बनने का था।मायावती का सपना तो पूरा नही हुआ,पर अब तक अपना अस्तित्व बचाने की चुनौती उसके सामने है। मायावती की हार का असली कारणों और मुद्दों को दरकिनार करके स्वर्ण और सतारूढ़ दल पर अनर्गल आरोप लगाकर राजनीति जमीन तैयार करना बसपा की रणनीति रही है।चार दशक पहले बहुजन समाजपार्टी जिन मुद्दों,नारो,रणनीति, सामाजिक समीकरण और सेना के सहारे संसदीय रणनीति में उतरी थी,आज भी उसी के सहारे खड़ी है।जबकि सच्चाई यह है कि चार दशक में देश और प्रदेश की राजनीति और समाज मे ढेर सारे परिवर्तन हो चुके है।लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, ओमप्रकाश चौटाला, मायावती आदि दर्जनभर नाम पीएम की पहली पंक्ति में थे।लेकिन मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी के विकास को देखकर ये नेता प्रधानमंत्री बनने का विचार छोड़ दिया।इन नेताओं ने कहा कि मोदी सुपर है।इनके जैसा कार्य हमसे नही हो सकता है।मायावती के सपने मोदी के बाद झूलते नजर आए।दलित और अति पिछड़े समाज में भी अधिक और शैक्षणिक उन्नति हुई है।लेकिन मायावती ने अपनी रणनीति में कोई ठोस बदलाव नहीं किया है।जो बदलाव किए है उसे महज सत्ता पाने तक सीमित रखा।पार्टी और संगठन के आंतरिक ढांचे में उन परिवर्तनों का कोई असर नही पड़ा।आज भी मायावती के मन मे विकास की कोई धारणा नही है।विपक्ष पर निशान साधते हुए कांशीराम के बनाये स्मारकों के रखरखाव पर विपक्ष को घेरती नजर आई।सपा ने स्मारकों और पार्कों की हालत खराब कर दी है।लेकिन भाजपा की तारीफ करते हुए कहा कि इनकी सरकार ने मरम्मत कराई ।उपस्थित कार्यकर्ताओ को नसीहत देते हुए कहा कि भाजपा,समाजवादी ,कांग्रेस सभी जातिवादी सोच की पार्टियां है और इनसे संभल कर रहने की चेतावनी दी।मायावती ने कहा कि ये दल संकीर्ण सोच वाले है।मायावती ने एकाधिकार बनाये रखने के लिए ढेर सारे नेताओ को पार्टी से बाहर कर दिया।कुछ खुद चले गए थे।डीएसफोर के जमाने मे नेताओ को बाहर का रास्ता बता दिया।विकास का कोई मुद्दा इनके मन में नही है।नेताओ के जाने के बाद बहुजन समाजवादी पार्टी को वैचारिक और सांगठनिक स्तर भारी कीमत चुकानी पड़ी थीं।जिसके बाद राजनीतिक चाल चलते हुए मायावती ने बहुजन के स्थान पर सर्वजन का नारा दिया।उस दौर में लोगो के पक्ष की बात करदेते थे तो मतदाता पार्टी से अनायास जुड़ जाते थे।निरक्षर समाज और गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले गरीब लोग दो कीलो चावल और दो लीटर केरोसिन पर वोट देने के लिए और पार्टी का प्रचार के लिए तैयार हो जाते थे।आज शिक्षित समाज किसी भी मुद्दे पर सौ बार विचार करता है।आज किसी को बेवकूफ बनाना टेडी खीर है।अब सर्वजन कौन कहे बहुजन भी मायावती से पीछा छुड़ाता दिख रहा है।2012 में मायावती को विपक्ष की भूमिका दी थी।पांच वर्ष तक मायावती विपक्ष की भूमिका निभाने के बजाय सत्ता के इंतजार में गंवा दिया।जबकि अखिलेश कुमार की सरकार में प्रदेश की जनता को दंगो की आग का सामना करना पड़ा।जबकि मायावती मौन साधे बैठी रही।इस बार मायावती का भाषण सुनने लोग सभा मे एकत्रित तो हुए है लेकिन आज भी विकास की कोई बात या दलित गरीबो के उत्थान का मापदंड मायावती के मन मे नही है।2012 में जनता ने विपक्ष की भूमिका निभाने लायक नहीं रखा। मायावती के हार के अनेक कारण है।लेकिन मायावती फूली नही समा रही है।मजूबत वोट बैंक के अभाव में दलित मतों में बिखराव और अपने आधार वोट को मजबूत करने के बजाय मायावती ने पुराने दांव ही अपनाए है।वर्तमान आईआईटी का जमाना है।मायावती को अपने विचार अपनी सोच और टेक्नोलॉजी पर गहन विचार कर मतदाताओ के दिल मे जगह बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

2007 में मायावती ने विधानसभा चुनाव के पहले बसपा ने अति पिछड़ा,दलित के साथ मुसलमान और ब्राह्मण वर्ग को अपने साथ जोड़ने के लिए सामाजिक भाईचारा कार्यक्रम शुरू किया।यह जवाबदारी सतीश चंद्र मिश्र और नसीमुद्दीन को सौंपी गई।जिसके मद्देनजर एक मजबूत आधार तैयार हुआ। सूबे की राजनीति से माफिया उन्मूलन और कानून का राज स्थापित करने का वादा किया।जिसका फायदा उस समय चुनाव में मिला।और मायावती पूर्ण बहुमत से मुख्यमंत्री बनी।लेकिन 2017 में अपने मुद्दों और मजबूत आधार नही दे पाई।90के दशक में मुलायमसिंह यादव और बहुजन पार्टी का यूपी की राजनीति में वर्चस्व स्थापित होना शुरू हो गया था।मायावती बहनजी के पार्टी की साख पूरे भारत मे थी।मायावती की पार्टी अन्य राज्यो में भी चुनाव लड़ती थी।लेकिन धीरे धीरे जातीय संगठन को चुनाव तक ही सीमित रखा और पार्टी की बढ़ती साख पर ग्रहण लगने लगा।नेताओ को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नही दी जाती थी।शुरुआती दौर में सवर्णों के इतर दलित और पिछड़े वर्ग के काडरों के संगठन को महत्वपूर्ण पद पर रखा।अति पिछड़ा वर्ग के ढेर सारे नेता पार्टी का चेहरा हुआ करते थे।लेकिन मायावती की निरंकुश जीवनशैली और पार्टी के एकाधिकार के कारण अधिकांश दलित और पिछड़े नेताओ को बेइज्जत करके पार्टी से बाहर का रास्ता बता दिया।

सम्पादकीय

एआई की लहर में खत्म होती नौकरियां, तकनीक वरदान या विनाश?

अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की तेज़ रफ्तार ने टेक उद्योग की तस्वीर ही बदल कर रख दी है। बड़ी आईटी कंपनियाँ अब ऐसे दौर में पहुँच चुकी हैं, जहाँ मशीनें इंसानों से कहीं ज़्यादा तेज़, सटीक और सस्ती साबित हो रही हैं। जो प्रोजेक्ट पहले किसी इंजीनियर को दो साल पूरे करने में लगते थे, अब एआई से उन्हें महज़ 20-30 दिनों में पूरा हो रहे हैं। कंपनियों के लिए यह तकनीकी एक क्रांति की तरह है। यह एक वरदान भी है, जो सोचते हैं उसे कुछ ही समय में पूरा कर लेते हैं। उत्पादकता बढ़ी है, लागत घट गई है। मानव संसाधन जिसमें इंजीनियरों और कर्मचारियों की एक बड़ी फौज काम करती थी, उनके लिए यह बदलाव किसी डरावने सपने के साकार होने की तरह है। अमेरिका में इसका असर दिखना शुरू हो गया है। अमेरिका की दिग्गज कंपनियाँ मानव संसाधन का री-स्ट्रक्चरिंग कर एआई एडॉप्शन के नाम पर कर्मचारियों से इस्तीफा लेकर उन्हें नौकरी से हटा रही हैं। जिनकी सेवा अवधि 10 साल से कम है। उन्हें तीन महीने का वेतन देकर बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। वहीं, पुराने कर्मचारियों को 18 महीने का वेतन देकर बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। यह एक तरह की गुपचुप छंटनी है। जिसमें कंपनियाँ 'टर्मिनेशन' शब्द से बचते हुए बदलाव का नाम देकर हजारों नौकरियाँ को खत्म कर रही हैं। इससे अमेरिका जैसे देश में जहां एच-1वीजा लेकर जो लाखों लोग काम कर रहे हैं, उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से वीजा पर शुल्क लगा रहे हैं, बार-बार नियम बदल रहे हैं, उसे अमेरिका में रह रहे प्रवासी भारतीयों के लिए एक तरफ कुआं और दूसरी तरफ खाई बताया जा रहा है। यह लहर अब भारत पहुँच चुकी है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़ (टीसीएस) इन्फोसिस, विप्रो और एक्सेंचर जैसी कंपनियाँ भी एआई स्किलिंग के नाम पर कर्मचारियों की छंटनी दबे-छुपे तरीके से कर रही हैं। टीसीएस में इंजीनियरों को एआई और मशीन लर्निंग की ट्रेनिंग दी जा रही है, जो इस नए दौर की परीक्षा में पास नहीं होते हैं, उन्हें कंपनी से बाहर निकालने की तैयारी तरह-तरह से की जा रही है। जो कर्मचारी वर्तमान तकनीकी पर अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रहे हैं, उन्हें सुनयोजित तरीके से कंपनी से बाहर निकालने के लिए तरह-तरह के प्रयास शुरू हो गए हैं। भारत में भी जल्द ही बड़े पैमाने पर इसका असर दिखना शुरू हो जाएगा। सरकार और दूसरे संगठनों द्वारा लगातार एआई को प्रमोट किया जा रहा है। जैसे-जैसे एआई में काम बढ़ता जाएगा, मानव संसाधन कम होता चला जाएगा। इसका अगला कदम इस्तीफा और छटनी के रूप में भारत में भी शुरू हो चुका है। कर्मचारियों के लिए यह स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है। सोशल मीडिया पर ऐसे कई उदाहरण सामने आ चुके हैं। जहाँ बिना किसी स्पष्ट कारण के इंजीनियरों एवं अन्य कर्मचारियों को अचानक नौकरी से निकाल दिया गया है। यह एक व्यक्ति या एक परिवार के लिए संकट नहीं है, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और आर्थिक चुनौती बनकर सामने आ गया है। बेंगलुरु, पुणे, चेन्नई और हैदराबाद जैसे आईटी हब में बड़े पैमाने पर हजारों लोगों की नौकरियाँ जाती दिख रही हैं। तो उसका असर रियल एस्टेट, परिवहन, हॉस्पिटैलिटी और स्थानीय व्यवसायों तक पहुंचेगा जिसके कारण लाखों लोग बेरोजगार होंगे। यह सच है, एआई के ज़रिए कंपनियाँ अधिक कुशल हो रही हैं। यह भी उतना ही सच है, इससे मानव श्रम का महत्व तेजी से घट रहा है। आने वाले वर्षों में गिने चुने वही इंजीनियर और कर्मचारी मैदान में टिक पाएँगे जो खुद को एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और रोबोटिक्स जैसी तकनीकों से लैस करेंगे। अब डिग्री और पिछले वर्षों के अनुभव का कोई महत्व नहीं रह गया है। सब काम सॉफ्टवेयर और मशीन करने लगी हैं। इसका असर सारी दुनिया में पड़ना शुरू हो गया है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। एआई की अपडेटेड स्किल ही करियर और नौकरी की गारंटी होगी। एआई अब केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि उद्योगों कृषि कार्यों एवं रोजगार के भविष्य में निर्णायक स्थिति बन गई है। अमेरिका से उठी छंटनी की लहर भारत तक पहुँच चुकी है। 'सुरक्षित' मानी जाने वाली आईटी नौकरियाँ भी अब सुरक्षित नहीं हैं। आने वाले समय में तकनीकी ही तय करेगी, कौन आगे बढ़ेगा और कौन तकनीकी दौड़ में पीछे छूटकर बेरोजगार हो जाएगा। एआई युग की यही सच्चाई है। जो खुद को बदलना सीखेगा, वही अपने भविष्य को सुरक्षित रख पाएगा। वैसे जिस तरह से मानव संसाधन की जगह तकनीकी और मशीने लेती चली जा रही हैं, इसका असर दुनिया के सभी देशों में देखने को मिलेगा। करोड़ों लोगों को काम नहीं मिलेगा। ऐसी स्थिति में इतनी बड़ी जनसंख्या को किस तरह से रोजगार से जोड़कर रखा जा सकता है? तकनीकी के इस दौर में एक नई चुनौती सामाजिक, शासन-प्रशासन के सामने वैश्विक स्तर पर खड़ी होती चली जा रही है। इसका जवाब किसी के पास नहीं है। तकनीकी का यह प्रभाव शुरुआती दौर में है, आगे चलकर यह बहुत सारी मुश्किलें खड़ी करने वाली है। जिस तरह से दुनिया में बेरोजगारी और आर्थिक संकट बढ़ रहा है, यदि समय रहते इसका कोई बेहतर रास्ता नहीं निकला गया तो बहुत भयानक दुष्परिणाम आने वाले वर्षों में देखने को मिल सकते हैं।

विश्वास का वैश्विक सेतु और व्यापारिक समरसता का आधार

ललित गर्ग

इस दिवस का उद्देश्य यह स्मरण कराना है कि किसी भी उत्पाद, सेवा या व्यवस्था की उपयोगिता तभी टिकाऊ और भरोसेमंद हो सकती है जब उसमें निर्धारित मानक और गुणवत्ता की कसौटी कायम हो। विश्व मानक दिवस उन हजारों विशेषज्ञों और कर्मयोगियों को सम्मान देने का भी अवसर है जो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बैठकर विश्व के हित में ऐसे मानक तय करते हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के निर्माण और कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं।

ललित गर्ग

विश्व मानक दिवस प्रत्येक वर्ष 14 अक्तूबर को मनाया जाता है। यह दिवस उस अदृश्य व्यवस्था का उत्सव है जो हमारे जीवन, उद्योग, व्यापार और सुरक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करती है। मानकीकरण केवल कोई तकनीकी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विश्वसनीयता, सुरक्षा, पारदर्शिता और आपसी सहयोग की ऐसी बुनियाद है जो मानव जीवन की सहजता और स्थिरता का आधार बनती है। इस दिवस का उद्देश्य यह स्मरण कराना है कि किसी भी उत्पाद, सेवा या व्यवस्था की उपयोगिता तभी टिकाऊ और भरोसेमंद हो सकती है जब उसमें निर्धारित मानक और गुणवत्ता की कसौटी कायम हो। विश्व मानक दिवस उन हजारों विशेषज्ञों और कर्मयोगियों को सम्मान देने का भी अवसर है जो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बैठकर विश्व के हित में ऐसे मानक तय करते हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के निर्माण और कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सुरक्षा के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मानकीकरण की भूमिका पर ज़ोर देना है, जो सबके लिए समान हों, निष्पक्ष हों और मानवता की सुरक्षा और प्रगति के लिए हों।

यह दिवस 1946 में हुई पहली बैठक की याद में मनाया जाता है, जिसमें 25 देशों के प्रतिनिधि लंदन में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना के लिए एकत्र हुए थे, जो मानकीकरण पर अपने प्रयासों को केंद्रित करेगा। हालाँकि अगले वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन का गठन किया गया था, लेकिन पहला विश्व मानक दिवस 1970 में ही मनाया गया। विश्व मानक दिवस का उद्देश्य जनता को अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना है। अर्थात् स्वास्थ्य सेवा से लेकर तकनीक तक, लगभग हर क्षेत्र के उत्पादों और सेवाओं में सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता। 2025 की थीम 'सहयोग' है, जो प्रगति को संभव बनाने के लिए साझेदारी के महत्व को दर्शाती है। यह सहयोग की शक्ति और इस विश्वास का प्रमाण है कि हम अपने-अपने हिस्सों के योग से भी अधिक शक्तिशाली हैं। साथ मिलकर काम करके, हम लोगों को स्थिरता की चुनौतियों का सीधा सामना करने के लिए वास्तविक समाधानों से सशक्त बना रहे हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय मानक ब्यूरो ने इस वर्ष की थीम को 'सतत विकास लक्ष्य: लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी' के रूप रखा है। एक बेहतर विश्व निर्माण के लिए साझा दृष्टिकोण का विशेष महत्व है, इस दिवस को मनाने का लक्ष्य उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान देना और उपभोक्ताओं, नियामकों और उद्योग के बीच मानकीकरण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

आज जब वैश्वीकरण, तकनीकी तीव्रता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य संकट और आपूर्ति श्रृंखला जैसी जटिल चुनौतियाँ सामने हैं, तब मानकीकरण का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। मानक ही वह भाषा हैं जिनसे विश्व के देश एक-दूसरे को समझ पाते हैं। जब कोई वस्तु या सेवा एक निश्चित मानक के अनुरूप होती है, तो उसे किसी भी देश में स्वीकार किया जा सकता है। इससे व्यापार सहज होता है, उपभोक्ता का भरोसा बढ़ता है और देशों के बीच परस्पर निर्भरता मजबूत होती है। यही कारण है कि मानकीकरण को विश्व व्यापार की आत्मा कहा जाता है। इससे केवल आर्थिक लाभ नहीं होता, बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता, सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन को भी सुनिश्चित करता है।

विश्व मानक दिवस के इस सन्देश के विपरीत आज की राजनीति में कई बार ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं जो विश्व व्यापार और आपसी सहयोग की भावना को कमजोर करते हैं। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अपनाई जा रही अतिशयोक्ति पूर्ण टैरिफ नीति इसका उदाहरण है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रतिस्पर्धा के नाम पर आयातित वस्तुओं पर भारी शुल्क लगाकर एक प्रकार से व्यापार युद्ध का वातावरण बना दिया है। यह नीति केवल व्यापारिक हितों को नहीं बल्कि वैश्विक संतुलन को भी प्रभावित कर रही है। टैरिफ की यह दीवारें देशों के बीच अविश्वास बढ़ाती हैं, कीमतों में वृद्धि करती हैं और आपूर्ति श्रृंखला को असंतुलित करती हैं। आयातित वस्तुओं की लागत बढ़ने से उपभोक्ताओं को अधिक कीमत चुकानी पड़ती है, उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ती है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की गति धीमी पड़ जाती है।

विश्व व्यापार संगठन ने पहले ही चेताया है कि ऐसी टैरिफ नीतियाँ वैश्विक व्यापार वृद्धि को घटा रही हैं और निवेशकों में अस्थिरता पैदा कर रही हैं। टैरिफ केवल कर या शुल्क नहीं होते, वे राष्ट्रों के बीच विश्वास का संकेत भी होते हैं। जब कोई देश बार-बार अपने आर्थिक हितों की आड़ में ऊँचे शुल्क लगाता है, तो अन्य राष्ट्र प्रतिकार के रूप में अपने दरवाज़े बंद करने लगते हैं। परिणाम यह होता

किसी भी संस्थान में ईमानदारी जरुरी है

संजय गोस्वामी

यदि हम किसी संस्थान में काम करते हैं तो ईमानदारी जरुरी है आज हमें अपने बारे में नहीं संस्थान के बारे में सोचना चाहिए किसी भी चीज को तोड़ना आसान होता है जोड़ना मुश्किल इसी तरह की एक घटना मेरे आँखों के सामने घटी जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है बात करता हूँ एक संस्थान जो चैरटीबल संस्था थी उसमें पहले सरकार से हिंदी में विज्ञान के प्रचार हेतु अच्छा फंड मिलता था जो अब बन्द होने के कगार पर है ऐसे तो सरकारी संस्था विज्ञान प्रसार तो बन्द हो गई लेकिन हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद अभी जिन्दा है लेकिन हैंगिंग अवस्था में है इसमें दो गुट बन गए जो दुर्भाग्यपूर्ण है दरअसल 2021 में कोरोना का संकट आया और परिषद के साथ एक लोकल इंजीनियरिंग कॉलेज की संस्था विवेकानंद मॅनेग्मेंट कॉलेज, चेम्बूर से एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन होना था जो बन्द हो गया लेकिन उसकी पुरी तैयारी कर ली गई बाद में सचिव ने कोषाध्यक्ष से क़ोई चेक ले लिया और ख़र्ज कर देने का दावा किया और जो बैग आनेवाला था वो आ गया ऐसा बताया गया लेकिन कोषाध्यक्ष ने बाद में बैग को देखने की इच्छा जताई लेकिन यह कहकर की बैग को डिस्पोजल कर दिया इसपर कोषाध्यक्ष को पैसा गमन करने का आरोप लगाया और दोनों में काफी खींचातानी हुई हालांकि उनका रुख मेरे प्रति एक जगह काम करने से काफी नरम रहा लेकिन उन्होंने इस हेतु ऑनलाइन आमसभा बुलाई और उसमें अधिकतर लोगों ने यह मान ली की बैग डिस्पोजल हो गया उधर एक अलग ही ड्रामा चालू हुआ कि अगले चुनाव में अध्यक्ष के लिए खड़ा होंगे अगले चुनाव में लेकिन लोगों ने समझाया भाई बहुत साल तक आप परिषद में हैं अत: आप ख़ुशी ख़ुशी निकल जाए और दूसरों को मौका दें दरअसल परिषद में लोगों को आने जाने और बड़े बड़े लोगों के साथ बैठने में दिलचस्पी हुई और अब ऐसी स्थिति आई कि एक पद के लिए दो क्या दो से अधिक उम्मीदवार ने नामांकन भरा और बाद में आम सभा में 2016 में पहली बार चुनाव हुए और उस चुनाव में एक कोषाध्यक्ष थे जो तीन टर्म तक थे एक सचिव के लिए जो खड़े थे उन्होंने उसकी भरी सभा में बेइज्जती की कहा आप 2या तीन टर्म तक रहें हैं अत: आप उसी पद के लिए नहीं खड़ा हों लेकिन उन्होंने नहीं सुना, और चुनाव अधिकारी ने भी देखते हुए कहा आप तीन बार खड़ा हों चूंके हैं अत: आप नहीं हों सकते लेकिन चुनाव अधिकारी के साथ मुझे आमसभा ने मदद करने को कहा उस समय मैंने चुपके से कहा की चुनाव अधिकारी जी कहने से नहीं होता सबूत के आधार पर फैसला होता है तभी उन्होंने अपनी कुर्सी का महत्व समझते हुए उन्होंने उनसे सबूत माँगा और अचानक सबूत जुटाना मुश्किल था क्योंकि उसे कहाँ पता था कि इतनी जल्दी क़ोई सबूत भी मांग लेंगे और आमसभा ने चुनाव अधिकारी के फैसला को सही मानते हुए उसे चुनाव में खड़ा होने की अनुमति दि बाद में मुझे लगा उनकी संख्या बल कमजोर है क्योंकि जो सचिव के लिए खड़ा होने वाले थे वो उस उम्मीदवार का समर्थन कर दिया जिसने उनके खिलाफ कोषाध्यक्ष के खड़ा होने पर सवाल उठा दिए थे और फिर जैसे तैसे लास्ट मिनट में एक मित्र आया और उनके पक्ष में वोट कर दिया और मैच हों गया टाई अब वहाँ अध्यक्ष को निर्णय लेना था वो किसे चुनता है बाद में अध्यक्ष ने कोषाध्यक्ष को अपना समर्थन दिया और पुन: कोषाध्यक्ष बने लेकिन जिसने आम सभा में उसके खिलाफ खुब गरजा वो सचिव के लिए चुना गया और परिषद में दो फाड़ हो गए और कार्यकाल कुल मिलाकर बहुत कष्टदायक रहा क्योंकि जहाँ कलह होती है समझ ले उसका पतन होना तय है बाद में रायपुर में परिषद द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ तो उनका नाम ही उड़ा दिया तब उनको गुस्सा आया और चुनाव की तैयारी में जुट गए बाद में जब अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष में बबाल हुआ तो किसी के बदले उन्हें जाने का मौका मिला मुझे भी पूछा गया लेकिन अपनी इज्जत को समझते हुए हमने नाम वापस ले लिया क्योंकि कुछ दिन पहले ही एक वैज्ञानिक पत्रिका को लेकर व्यवस्थापक का नाम नहीं से सचिव ने डिस्पैच करने से रोक दिया फिर एक महानुभाव जो व्यवस्थापक भी थे संपादक में भी नाम जुड़वा लिया।

खास बात

बिहार में 3 उप मुख्यमंत्री

भारत की राजनीति में हमेशा कुछ नया होता रहता है।इस बार बिहार में जिस तरीके की जंग चुनाव में दोनों गठबंधन के बीच देखने को मिल रही है।बिहार में गठबंधन को बचाए रखने के लिए तीन उपमुख्यमंत्री का फार्मूला सामने आया है। पहले एक मुख्यमंत्री होता था। फिर एक उपमुख्य मंत्री होने लगा।अब तीन मुख्यमंत्री होंगे। उपमुख्यमंत्रियों के कोई विशेष अधिकार नहीं होते हैं। मुख्यमंत्री के आजू-बाजू बैठने का प्रोटोकॉल जरूर मिलता है।

सांसदों की लॉटरी खुली,पत्रकार प्रतीक्षा में

राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री के साथ सांसद और पत्रकारों को विदेश यात्रा में ले जाया जाता था। 2014 से यह प्रथा बंद हो गई थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जरूर सांसदों के प्रतिनिधि मंडलों को विदेश में भेजा गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने साथ सांसदों और पत्रकारों को विदेश यात्रा में नहीं ले जाते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में पहली बार सांसदों के 2 प्रतिनिधि मंडल न्यूयॉर्क महासभा की बैठक में भाग लेने भेजा गया है। एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भाजपा के सांसद पीपी चौधरी कर रहे हैं। दूसरे प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व डी पुरनंदेश्वरी देवी कर रही हैं।दोनों प्रतिनिधि मंडल में 15 सांसद शामिल हैं। जो 8 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक विदेश यात्रा में रहेंगे। इसे कहते हैं समय के साथ बदलाव होता है। इंतजार करना पड़ता है। पत्रकारों को अब लगने लगा है, उनके भी दिन जल्द ही फिरेंगे। उन्हें भी विदेश जाने का मौका मिलेगा।

केरल की मतदाता सूची पुनरीक्षण में कटेंगे 1 करोड़ वोट ?

केंद्रीय चुनाव आयोग बिहार की एसआईआर के बाद जिन पांच राज्यों में पुनरीक्षण करने जा रहा है। उनमें पश्चिम बंगाल और केरल भी शामिल है। केरल में कांग्रेस को अपने वोट बैंक की चिंता सता रही है। सूत्रों की माने, तो कांग्रेस को डर है, एक करोड़ वोट काटे जा सकते हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने ऐलान कर दिया है। यहां पर एसआईआर नहीं होगी। यदि जबरदस्ती की जाएगी, तो यहां पर दंगे होंगे।केरल विधान सभा ने सघन मतदाता पुनरीक्षण नहीं कराने का प्रस्ताव पारित किया है। चुनाव आयोग और राज्यों के बीच अब खुलेआम जंग के आसार दिखने लगे हैं। सुप्रीम कोर्ट में पिछले चार महीने से मामला तारीख पर तारीख पर लटका है।चुनाव आयोग ने सभी राज्यों की चिंता को बढ़ा दिया है। जहां-जहां पुनरीक्षण हो रहा है। वहां भाजपा को जिताने के लिए चुनाव आयोग बहुत बड़ा खेल करती है। विपक्ष यह आरोप लगाते हैं। सभी विपक्षी दल चिंतित हैं।

बिहार के विधानसभा चुनाव में दलों-का दलदल

बिहार के विधान सभा चुनाव में जिन राजनीतिक दलों का बिहार से कोई लेना-देना नहीं है। वह भी बिहार जाकर चुनाव लड़ रहे हैं। प्रशांत किशोर उर्फ पीके की पार्टी बिहार में पहली बार धूम मचा रही थी। अब आम आदमी पार्टी ने भी अपना दावा ठोंक दिया है।ओबेसी भी तेलंगाना से बिहार मैं भाग्य आजमा रहे हैं।पहले ही बिहार में एक दर्जन से ज्यादा राजनीतिक दल गठबंधन में शामिल हैं।कुछ गठबंधन के बाहर से चुनाव लड़ने जा रहे हैं।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलत-इन समस्त गुणों से परे होता है। लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलत-वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का। श्रद्धा मूलत: सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं। अत: किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, कार्तिक कृष्ण पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, अष्टमी, मंगलवार, पुर्नवसु नक्षत्रे, शिशिर योगे, कौलव करणे, कर्क की चंद्रमा, राधाअष्टमी, जीर्ण गृह प्रवेश, धान्य छेदन, वाहन क्रय विक्रय तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, कम्प्यूटर इंजीनियर, बैंक कर्मचारी, कैशियर, लेखापाल, बैंक प्रबंधक, खाद्य अधिकारी, मार्केटिंग ऑफिसर होगा।

मेष राशि- कार्य कुशलता से संतोष होगा, समृद्धि के योग फलप्रद रहेंगे, उत्साह से कार्य बनेंगे, धैर्य से कार्य अवश्य करें।

वृष राशि- कार्य तत्परता से कार्य होंगे, इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, रुके कार्य ध्यान देने से बनेंगे, आलस्य से हानि।

मिथुन राशि- व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, कार्य कुशलता से संतोष होगा, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे।

कर्क राशि- वाहन सोच-समक्षकर चलायें अन्यथा हानि संभव है, मानसिक विभ्रम से भय, मन में क्लेश व अशांति रहेगी।

सिंह राशि- समय अनुकूल नहीं विशेष कार्य स्थगित रखें, लेन-देन के मामले में हानि होगी, सावधानी से कार्य करें।

कन्या राशि- आकस्मिक विभ्रम के कारण किसी आरोप में फंस सकते हैं, सतर्कता से कार्य करें, सावधानी आवश्यक है।

तुला राशि- भाग्य का सितारा प्रबल होगा, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे, कार्य कुशलता से संतोष होगा ध्यान दें।

वृश्चिक राशि- कार्य कुशलता से संतोष होगा, कार्य योजना फलीभूत होगी, समय पर कार्य करने से लाभ अवश्य होगा।

धनु राशि- धन लाभ होगा, सफलता के साधन जुटायेंगे, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा, अवसरों का लाभ लें।

मकर राशि- आरोप-प्रत्यारोप से क्लेश संभव है, धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा, कार्यगति पर ध्यान दें।

कुंभ राशि- इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, स्त्री शरीर कष्ट, असमंजस से मन विचलित रहेगा, व्यर्थ की बातों से बचें।

मीन राशि- इष्ट मित्र सहायक रहेगा, दैनिक कार्यगति अनुकूल रहेगी, कार्य अवश्य पूर्ण करें, समय का ध्यान रखें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

14 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	**तुला**	06.15 बजे से
चंद्र	मिथुन में	**वृश्चिक**	08.29 ब.से
मंगल	तुला में	**धनु**	10.45 बजे से
बुध	तुला में	**मकर**	12.50 बजे से
गुरु	मिथुन में	**कुंभ**	14.37 बजे से
शुक्र	कन्या में	**मीन**	16.10 बजे से
शनि	मीन में	**मेष**	17.40 बजे से
राहु	कुंभ में	**वृष**	19.20 बजे से
केतु	सिंह में	**मिथुन**	21.18 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		**कर्क**	23.32 बजे से
		सिंह	01.48 बजे से
		कन्या	04.00 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 287 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि अष्टमी 11.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 11.55 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 04.11 बजे प्रात: को समाप्त।
करण कौलव 11.10 बजे तदनन्तर तैतिल 22.47 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 22.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 08° 09'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872497
जूलियन दिन 2460962.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1447
महीना रबी उस्सानी
तारीख 21

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	**काल**	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	**लाभ**	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	**उद्वेग**	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	**शुभ**	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	**अमृत**	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	**चर**	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	**रोग**	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	**काल**	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

बिहार में राजग गठबंधन आज करेगा उम्मीदवारों का ऐलान

पटना। बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) मंगलवार को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। दिलीप जायसवाल ने कहा कि राजग अब मंगलवार शाम को अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करेगा। उन्होंने कहा कि राजग की सभी पांच पार्टियां कल (मंगलवार) शाम तक अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर देंगी। दरअसल, राजग ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची सोमवार को जारी वाली थी, लेकिन आखिरी समय में घोषणा टाल दी गयी। यह स्थगन दो छोटे सहयोगियों, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) की ओर से रविवार शाम सार्वजनिक किए गए सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर नाखुशी व्यक्त करने के बाद किया गया है। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संस्थापक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने अपनी पार्टी को केवल 6 सीटें दिए जाने के बाद राजग के सीट बंटवारे पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाए थे। मांझी ने बार-बार 15 सीटों की मांग की थी। मांझी ने यहां तक दावा किया कि छह सीटों का यह आवंटन राजग के प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा। इस बीच, पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व वाली एक अन्य सहयोगी राष्ट्रीय लोक मोर्चा, जिसको छह सीटें दी गई थीं, ने भी निराशा व्यक्त की।

महाराष्ट्र के धुले में मिला मंकी पॉक्स का पहला मरीज, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

मुंबई। महाराष्ट्र के धुले जिले के सरकारी डायमंड अस्पताल में इलाज करवा रहे एक मरीज की मंकी पॉक्स की दोनों रिपोर्ट सोमवार को पॉजिटिव आई हैं। इसके बाद मरीज को एक अलग आइसोलेशन वार्ड में शिफ्ट किया गया है। मरीज के संपर्क में आए लोगों की भी जांच शुरू कर दी गई है। भारत में अब तक इसके 35 मामले मिल चुके हैं, जबकि महाराष्ट्र में यह पहला मामला है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। धुले जिले के सरकारी डायमंड अस्पताल के सूत्रों ने आज बताया कि इस अस्पताल में मिला मरीज एक पुरुष है और उसकी उम्र लगभग 45 साल है। मरीज पिछले चार साल से सऊदी अरब में रह रहा था। वह 2 अक्टूबर को वहाँ से धुले आया था। इसके बाद मरीज की तबीयत खराब होने लगी और अगले दिन उसे इलाज के लिए धुले के सरकारी डायमंड अस्पताल ले जाया गया। मंकीपॉक्स के लक्षण दिखने पर जब उसका टेस्ट कराया गया तो रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

टाटा ऑटो-कॉम्प आईआरईई 2025 में प्रदर्शित करेगा अपने अत्याधुनिक रेल समाधान

नई दिल्ली। टाटा ऑटो-कॉम्प सिस्टम्स लिमिटेड 15 अक्टूबर से दिल्ली में शुरू होने वाली तीन दिवसीय इंटरनेशनल रेलवे इक्विपमेंट एग्जीबिशन (आईआरईई) 2025 में अपने नवीनतम और अत्याधुनिक रेलवे समाधान प्रदर्शित करेगी। यह प्रदर्शनी भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। शेपिंग द फ्यूचर ऑफ रेलवेज़ थीम के तहत टाटा ऑटो-कॉम्प अपने उन्नत प्रोपल्शन सिस्टम, एचवीएसी (हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग) समाधान, सीटिंग सिस्टम और सतत हल्के रेल कंपोनेंट्स का प्रदर्शन करेगी। कंपनी के अनुसार, ये समाधान यात्री सुविधा बढ़ाने, ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने और रखरखाव की लागत घटाने के लिए तैयार किए गए हैं। टाटा ऑटो-कॉम्प के वाइस चेयरमैन अरविंद गोयल ने कहा कि रेलवे सेक्टर में विविधीकरण हमारे लिए स्वाभाविक कदम है। भारत का रेल नेटवर्क तीव्र गति से आधुनिक हो रहा है और सरकार का ध्यान अवसंरचना व यात्री सुविधा पर केंद्रित है। स्कोडा के साथ हमारा सहयोग भारत की विनिर्माण क्षमता और वैश्विक विशेषज्ञता के बीच सेतु का कार्य करेगा।

हमास के बंधक नेपाली नागरिक विपिन जोशी अब जीवित नहीं : सरकार

काठमांडू। पिछले तीन साल से हमास के कब्जे में रहे नेपाली नागरिक विपीन जोशी के जीवित नहीं रहने की आधिकारिक जानकारी नेपाल सरकार और जोशी के परिवार वालों को दे दी गई है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने सुबह ही तेल अवीव स्थित नेपाली राजदूतावास और विपिन के परिवार वालों को एक साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उनके जीवित नहीं रहने की आधिकारिक जानकारी दी है। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों और नेपाली राजदूत धन प्रसाद पंडित की उपस्थिति में आईडीएफ ने विपिन की मां और बहन तथा नेपाल के धनगढ़ी में रह रहे उसके भाई को विपिन जोशी के हमास के कब्जे में जीवित नहीं रहने की जानकारी दी। तेल अवीव में नेपाली राजदूत ने इस बात की जानकारी भी दी है। दरअसल, हमास की तरफ से युद्ध विराम के बाद छोड़े जा रहे बंधकों में भी विपिन जोशी का नाम शामिल नहीं है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पुडुचेरी को दी बड़ी सौगात

2,000 करोड़ की 3 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं राष्ट्र को की समर्पित

पुडुचेरी ■ एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में लगभग 2,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत की तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने इंदिरा गांधी स्क्वायर और राजीव गांधी स्क्वायर को जोड़ने वाले लगभग चार किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला भी रखी।

नितिन गडकरी ने आज पुडुचेरी में 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली 3 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित किया, जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग 32 के 38 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले पुदुचेरी-पूंडियनकुप्पम सेक्शन शामिल है। इसे 1,588 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। नितिन गडकरी ने थट्टांजावडी कृषि परिसर में आयोजित समारोह के दौरान 25.05 करोड़ रुपये की लागत से 13.63 किलोमीटर की दूरी तक ईसीआर सड़क के सुधार कार्य का शिलान्यास भी किया।

मंत्री नितिन गडकरी ने जिस एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण का शिलान्यास किया, उसका निर्माण 436 करोड़ रुपये की लागत से होगा। वह इंदिरा सिग्नल से राजीव सिग्नल तक 3.877 किलोमीटर लंबा है। यह इंदिरा गांधी स्क्वायर से 430 मीटर दक्षिण में शुरू होगा और ईस्ट कोस्ट रोड पर राजीव गांधी स्क्वायर से 620 मीटर उत्तर में खत्म होगा। इसका मुख्य भाग 1,150 मीटर लंबा और 20.5 मीटर चौड़ा होगा। यह कॉरिडोर 430 मीटर दक्षिण से शुरू होकर 100 फुट लंबी सड़क पर बना है। यह इंदिरा स्क्वायर से 620 मीटर उत्तर में ईसीआर रोड पर उतरेगा। इसकी कुल लंबाई 2,200 मीटर है। इंदिरा स्क्वायर पर 17 मीटर लंबा आंतरिक व्यास वाला एक ऊंचा फ्लाईओवर बनाया जाएगा। पूर्व में इंदिरा स्क्वायर से बस स्टैंड तक 863 मीटर लंबा फ्लाईओवर कनेक्शन बनाया जाएगा और पश्चिम में विल्लुपुरम की ओर 300 मीटर लंबा फ्लाईओवर कनेक्शन बनाया जाएगा।

संबंधित विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राजीव स्क्वायर पर 40 मीटर लंबा आंतरिक व्यास वाला एक गोलाकार फ्लाईओवर बनाया जाएगा। तिंडीवनम की ओर 524 मीटर लंबा कनेक्शन बनाया जाएगा। इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद यातायात से जुड़ी समस्या कम होगी। भीड़ में 55 प्रतिशत तक की कमी आएगी और यात्रा का समय 35 मिनट से घटकर 10 मिनट रह जाएगा। प्रतिदिन लगभग 60 हजार वाहन इससे होकर आ-जा सकेंगे, जिससे वाहनों के ईंधन की खपत में उल्लेखनीय कमी आएगी। लगभग नौ लाख लोगों को इससे लाभ होगा। अधिकारियों के अनुसार गणपति चेट्टीकुलम से राजीव स्क्वायर तक ईसीआर के 13.63 किलोमीटर लंबे हिस्से का केंद्र सरकार की मदद से 25.04 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सुधार किया जाना है। केंद्रीय रिटेनिंग वॉल 1.548 किलोमीटर लंबी है। 2.786 किलोमीटर सड़क किनारे नहरों का भी निर्माण किया जाना है।

सिख नरसंहार के दोषियों को बचाने के पाप से कांग्रेस कभी बच नहीं सकती : तरूण चुग

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुग ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के ऑपरेशन ब्लूस्टार पर बोले गए झूठ और कांग्रेस की 1984 में नरसंहार में भूमिका उजागर की। कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए तरुण चुग ने कहा कि यह कैसे संभव है कि श्री हरमंदिर साहिब पर टैंक और तोपें बिना तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सहमति और आदेश के चलाई गई हों। सच को तोड़-मरोड़कर पेश करना शहीदों का अपमान है और इतिहास के सबसे काले अध्याय को ढकने की शर्मनाक कोशिश है। सिख नरसंहार के दोषियों को बचाने के पाप से कांग्रेस कभी बच नहीं सकती। सोमवार को तरुण चुग ने विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 1984 के सिख नरसंहार के दोषियों को चार दशक तक बचाया और संरक्षण दिया। जगदीश टाइटलर, सज्जन कुमार और एचकेएल भगत जैसे नेताओं, जिन पर 52 जिलों में निर्दोष सिखों की बर्बर हत्याओं के आरोप लगे, को कांग्रेस ने ढाल बनकर बचाया। चुग ने यह भी कहा कि 1984 सिख नरसंहार से पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने का मार्ग प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने ही प्रशस्त किया। चाहे वह एसआईटी का गठन हो, पुनर्वास, उचित मुआवज़ा या पीड़ित परिवारों को नौकरी की सुरक्षा देना—हर मोर्चे पर मोदी सरकार ने संवेदनशीलता दिखाई। जब कांग्रेस नेता नरसंहार की योजना बना रहे थे, तब भाजपा और आरएसएस के कार्यकर्ता ही थे जिन्होंने पीड़ित परिवारों के घावों पर मरहम लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर राहुल गांधी और सोनिया गांधी क्यों 1984 के सिख नरसंहार की विधवाओं की पीड़ा को लगातार नजरअंदाज करते रहे। चुग ने कहा कि हजारों सिख परिवारों के ज़ख्म आज भी हरे हैं क्योंकि कांग्रेस ने हमेशा पीड़ितों की बजाय हत्यारों का साथ दिया।

मुख्यमंत्री बनर्जी का दुष्कर्म पीड़िता पर सवाल उठाना दुर्भाग्यपूर्ण : बांसुरी स्वराज

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि बंगाल की महिलाएं असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का दुष्कर्म पीड़िता पर सवाल उठाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि पश्चिम बंगाल के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में दलित छात्रा के साथ गैंगरेप की वारदात हुई। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से अपेक्षा है कि उनके राज्य की महिलाएं निर्भीक और सुरक्षित हों, लेकिन ममता बनर्जी इस गैंगरेप को जस्टिफाई करती हैं और कहती हैं कि महिलाओं को देररात बाहर नहीं निकलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि 2012 में पार्क स्ट्रीट में एक दुष्कर्म मामला सामने आया था। तब मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा था कि ये एक झूठी घटना है। यानी पीड़िता ने घटना को फैब्रिकेट किया है। हासखली में एक नाबालिग के साथ गैंगरेप होता है, तब ममता बनर्जी कहती हैं कि यह एक प्रेम प्रसंग का मामला है जो गलत हो गया है। वर्ष 2013 में कमदुनी में एक दुष्कर्म हुआ, इस पर ममता बनर्जी ने इसे सीपीआईएम समर्थकों का षड्यंत्र बताया। इसके बाद संदेशखाली की महिलाओं के साथ टीएमसी के नेताओं द्वारा दुष्कर्म किया गया, इस पर ममता बनर्जी ने कहा कि कुछ नहीं हुआ है।

उन्होंने ममता बनर्जी से पूछा कि आप लोग मां-माटी-मानुष का नारा लगाते हैं, आपके इस संवेदनहीन, कुशासन और दकियानूसी सोच के कारण मां शर्मिंदा है, माटी लहूलुहान है और मानुष बेहाल है।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एक मेडिकल छात्रा के साथ दुष्कर्म के मामले पर मुख्यमंत्री बनर्जी के बयान ने विवाद खड़ा कर दिया। ममता ने सवाल उठाया कि छात्रा आधी रात को हॉस्टल से बाहर क्यों गई थी। ममता ने छात्राओं को देर रात बाहर न निकलने की सलाह दी थी, लेकिन सीएम ने रेप करने वालों पर एक शब्द नहीं कहा, क्योंकि लगता है रेपिस्ट उनकी ही पार्टी के लोग हैं।

गाजा में हमास की कैद से रिहा 7 इजराइली बंधक स्वदेश पहुंचे, जश्न का माहौल

गाजा पट्टी/तेल अवीव। गाजा में युद्धविराम समझौते के अनुरूप आतंकवादी समूह हमास की कैद से रिहा सात इजराइली बंधक स्वदेश पहुंच गए। हमास ने इन्हें रेडक्रॉस को सौंपा था। रेडक्रॉस के अधिकारियों ने इनको इजराइल पहुंचाकर आईडीएफ को सौंपा। हमास 13 बंधकों को कुछ देर बाद दक्षिणी गाजा में छोड़ेगा। रेडक्रास को सौंपे गए सात बंधकों में गली बर्मन, ज़िव बर्मन, एतन अब्राहम मोर, ओमरी मिरान, मतन अंगरेस्ट, अलोन ओहेल और गिल्बोआ-दलाल शामिल हैं। इस बीच इनके परिवारों के घरों पर भारी भीड़ जमा हो गई है। परिवारजन भावुक हैं। कई तो रो पड़े। अब सब उनके घर लौटने का इंतजार है।

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देने के रोडमैप पर सहमत हुए भारत-कनाडा, शीघ्र होगी मंत्रिस्तरीय वार्ता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत और कनाडा द्विपक्षीय संबंधों को दोबारा मजबूती देने के लिए रोडमैप पर सहमत हुए हैं। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की वार्ता के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि मौजूदा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के संदर्भ में एक मजबूत और लचीला भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंध आवश्यक है।

विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने सोमवार को अपनी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद के साथ दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं की वार्ता के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है कि दोनों देशों ने संबंधों को दोबारा गति देने के लिए पहले कुछ कदम उठाए थे। अब दोनों पक्षों ने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आपसी सम्मान, क़ानून के शासन और संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता के आधार पर भारत-कनाडा संबंधों के लिए एक नए रोडमैप पर आम सहमति बनाई है।

इसके तहत दोनों देश आज की आर्थिक वास्तविकताओं और प्रत्येक देश की रणनीतिक प्राथमिकताओं से प्रेरित द्विपक्षीय व्यापार और निवेश पर मंत्रिस्तरीय चर्चा शीघ्र ही शुरू करेंगे। इसके अलावा कनाडा-भारत सीईओ फोरम की पुन: शुरुआत होगी। कनाडा-भारत मंत्रिस्तरीय ऊर्जा संवाद फिर से स्थापित होगा। संयुक्त विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग समिति के दोबारा सक्रीय होगी। दोनों मंत्रियों ने वैश्विक मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया। इसमें अधिक प्रभावी और समावेशी बहुपक्षीय संस्थानों को सुनिश्चित करने के लिए कार्य करना भी शामिल है।

रेल मंत्री वैष्णव ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के अंतर्गत बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया

जबलपुर ■ एजेंसी

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के निर्माणाधीन बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया। उनके साथ वलसाड के सांसद धवल पटेल और गणदेवी के विधायक नरेश पटेल भी थे। इस दौरान, मंत्री ने बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन पर चल रहे निर्माण और ट्रैक बिछाने के कार्यों की समीक्षा की।

बिलिमोरा शहर आम के बागानों के लिए प्रसिद्ध है। स्टेशन के फसाड का डिज़ाइन आम के बागानों से प्रेरित है, जो शहर की प्राकृतिक सुंदरता और स्थानीय पहचान को प्रतिबिंबित करता है। आंतरिक और प्लेटफ़ॉर्म क्षेत्र को पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी और वेंटिलेशन के साथ डिज़ाइन किया गया है। फॉल्स सीलिंग को एंटी-वाइब्रेशन हैंगर से लगाया गया है ताकि ट्रेनों की तेज गति से होने वाले कंपन का असर फिटिंग्स पर न पड़े।

स्टेशन आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित है, जैसे कि वेटिंग लाउंज, नर्सरी, शौचालय, रिटेल आउटलेट आदि। विभिन्न स्तरों पर सहज आवागमन के लिए कई लिफ्ट और एस्केलेटर लगाए जा रहे हैं, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों, विकलांगों और बच्चों वाले परिवारों की आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिया गया है।

स्टेशन परिसर में हरियाली और ताजगीपूर्ण वातावरण बनाने के लिए पौधारोपण किया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए पिक-अप और ड्रॉप-ऑफ ज़ोन, बसों, कारों और दोपहिया वाहनों के लिए अलग पार्किंग, ईवी पार्किंग आदि की योजना बनाई गई है।

सुविधा और स्थिरता को मिलाते हुए, स्टेशन में इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल की कई विशेषताएँ शामिल की गई हैं, जैसे कि पानी का कुशल उपयोग, वर्षा जल संचयन, लो-फ्लो सैनिटरी फिटिंग्स, आंतरिक हिस्सों में कम गर्मी प्रवेश, कम वाष्पशील कार्बनिक यौगिक वाले पेंट आदि।

राज्य का पुनर्गठन बिना सोचे समझे तत्कालीन केंद्र सरकार ने किया था : चंद्रबाबू नायडू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राजधानी अमरावती क्षेत्र के किसानों के बलिदान को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। उन्होंने याद किया कि उन्होंने किसानों की दुर्दशा देखी थी और विरोध करने के लिए सड़कों पर उतरे थे। उन्होंने कहा कि राजधानी क्षेत्र का हर तरह से विकास किया जाएगा। आज सोमवार की सुबह अमरावती में सीआरडीए (कैपिटल रिजाइन डेवलपमेंट ऑथोरिटी) कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने यह बात कही।

मुख्य मंत्री ने आगे कहा कि,'आज बहुत खुशी का दिन है। सबसे पहले, सीआरडीए भवन का उद्घाटन हुआ है। पहली बार लैंड पूलिंग के तहत ज़मीन देने का इतिहास अमरावती के किसानों का है। आने वाले दिनों में सरकारी और निजी इमारतें बनेंगी। जब राज्य का विभाजन हुआ था, तब कोई राजधानी नहीं थी। तत्कालीन केंद्र सरकार ने राजधानी कहाँ होगी, यह बताए बिना ही राज्य का विभाजन कर दिया। हमने उसी दिन राज्य के भविष्य के लिए दुनिया में कुछ अनोखा बनाने का फैसला किया। हमने तय किया कि विजयवाड़ा और गुंटूर के बीच राजधानी होना अच्छा रहेगा। हमने पहले ही एक अवधारणा तैयार कर ली थी। राजधानी निर्माण के लिए किसान स्वेच्छा से ज़मीन देने के लिए आगे आए हैं। विश्व इतिहास में इतनी बड़ी मात्रा में ज़मीन अधिग्रहण सिर्फ़ अमरावती में ही हुआ है। पहले जब हाई-टेक सिटी बन रही थी, तब मैंने उन्हें अपना विज़न बताया था, तो उन्होंने मेरा मज़ाक उड़ाया था। हमने हैदराबाद में 5,000 एकड़ में हवाई अड्डा बनाया। जब किसानों ने हवाई अड्डे के लिए ज़मीन मांगी, तो उन्होंने तुरंत दे दी। जिन लोगों ने वहाँ ज़मीन खरीदी है, उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है, चंद्रबाबू ने कहा। चंद्रबाबू नायडू ने राजधानी के किसानों की समस्याओं के समाधान की ज़िम्मेदारी तीन अपने ही वरिष्ठ नेता को सौंपी है।

जी-20 आपदा जोखिम न्यूनीकरण मंत्रिस्तरीय बैठक संपन्न

भारत ने वित्तपोषण और पूर्व-चेतावनी सहयोग के क्षेत्र में नेतृत्व को दर्शाया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) पर जी-20 मंत्रिस्तरीय बैठक के पहले दिन, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्र ने दो उच्च-स्तरीय कार्यक्रमों - एकजुटता और अनुकूलन: पूर्व-चेतावनी प्रणालियों के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और एकजुटता में डीआरआर का विस्तार और डीआरआर निवेश को बढ़ाने के लिए तकनीकी नवाचार और राजनीतिक नेतृत्व का सेतु निर्माण में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

एकजुटता और अनुकूलन सत्र में, डॉ. मिश्र ने इस बात पर जोर दिया कि पूर्व-चेतावनी प्रणालियां तकनीकी विलासिता नहीं, बल्कि अनुकूलन को लेकर रणनीतिक निवेश हैं। उन्होंने भारत की बहु-एजेंसी संरचना के बारे में चर्चा की, जिसमें मौसम विज्ञान, जल विज्ञान, भूकंप विज्ञान और समुद्र विज्ञान संस्थानों को एक सामान्य चेतावनी प्रोटोकॉल-अनुपालक एकीकृत चेतावनी प्रणाली के माध्यम से एकीकृत किया गया है, जो पहले ही 109 बिलियन से अधिक अलर्ट जारी कर चुकी है। उन्होंने जी-20 से वैश्विक सभी के लिए पूर्व-चेतावनी प्रणाली के अंतर्गत अंतर-संचालनीय क्षेत्रीय प्लेटफार्मों, साझा डेटा प्रोटोकॉल और संयुक्त क्षमता निर्माण संबंधी पहलों को मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत पूर्व-चेतावनी को एक समावेशी, बहुभाषी और पूर्वानुमानयोग्यवैश्विक सार्वजनिक हितके रूप में देखता है।

डीआरआर के वित्तपोषण पर आयोजित कार्यक्रम में, डॉ. मिश्र ने जी20 स्वैच्छिक उच्च-स्तरीय सिद्धांतों के सिद्धांत 2 और 4 के अनुरूप भारत की पांच-स्तंभ वित्तपोषण रणनीति का विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने वित्त आयोग के तहत भारत के संवैधानिक मॉडल का वर्णन किया, जिसने बहु-वर्षीय, नियम-आधारित डीआरआर आवंटन, राज्यों और स्थानीय निकायों को विकेन्द्रीकृत वित्तपोषणऔर राष्ट्रीय आपदा जोखिम सूचकांक के माध्यम से साक्ष्य-आधारित प्राथमिकता सुनिश्चित की। राहत-केंद्रित से जोखिम तत्काल सूचना के प्रतिमान की ओर भारत के बदलाव पर प्रकाश डालते हुए,उन्होंने नवीन स्थानीय-स्तरीय प्रणालियों,समर्पित शमन निधियों, आपदा-विशिष्ट कार्यक्रमोंऔर आपदा मित्र स्वयंसेवकों के माध्यम से समुदाय-आधारित तैयारियों का प्रदर्शन किया, जो अनुकूलन को सीधे सार्वजनिक वित्त और शासन में समाहित करते हैं। इस अवसर पर, डॉ. मिश्र ने दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

गजब की परंपराएं

सियोल। दुनिया में शादी कुछ परंपराएं ऐसी हैं जो बेहद खतरनाक और अजीब मानी जाती हैं। ऐसी ही एक परंपरा दक्षिण कोरिया की है। इस रस्म में शादी के बाद जब दूल्हा और दुल्हन अपने नए घर पहुंचते हैं, तो दूल्हे के पैरों को रस्सी से बांध दिया जाता है। उसके दोस्त और रिश्तेदार उसे जूतों या मछली से पीटते हैं। यहां की परंपरा को बोक-जोरी या जेओक-चेओल कहा जाता है, जिसका अर्थ है पैर की कोड़ाबंदी। माना जाता है कि इस प्रक्रिया से दूल्हे की सहनशक्ति और शादीशुदा जीवन में मजबूती परखी जाती है। पुराने समय में दुल्हन को दूल्हे को बचाने के लिए पैसा देना पड़ता था।

कैसे सिद्ध किया जाए पूजा-पाठ

जिस तरह मंत्रों में शक्ति बताई गई है उसी प्रकार विभिन्न प्रकार की मालाएं भी पूजा-अर्चना में सिद्धिदायक सिद्ध होती हैं। अभिमंत्रित मालाओं में तो अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति आ जाती है, जिससे साधक को तुरंत सफलता मिलती है। माला के बिना मंत्र जप का पूर्ण फल नहीं मिल पाता है। देवी-देवताओं के जप के लिए काम में ली जाने वाली जप मालाओं का इस्तेमाल यदि तरीके से किया जाए तो नतीजे बेहतरीन मिलते हैं। माला का उचित प्रयोग करने से शीघ्र सिद्धि भी मिलती है।

कमलगट्टे की माला

यह माला लक्ष्मी जी को अत्यंत प्रिय है। लक्ष्मी जी के मंत्रों का जप करने से शीघ्र सिद्धि मिलती है। यह माला धन प्राप्ति, स्थिर लक्ष्मी के लिए श्रेष्ठ है।
लक्ष्मी मंत्र- ऊँ श्री ह्रीं श्री कमले कमलालये प्रसीद श्री ह्रीं श्री ऊँ महालक्ष्मै नमः॥

कुश ग्रंथि की माला

कुश नामक घास की जड़ को खोदकर उसकी गांठों से बनाई गई यह कुश ग्रंथि माला सभी प्रकार के कायिक, वाचिक और मानसिक विकारों का शमन करके साधक को निष्कलुष, निर्मल और सतेज बनाती है। इसके प्रयोग से व्याधियों का नाश होता है।
गणेश मंत्र- ऊँ गं गणपत्यै नमः।

मूंगे की माला

मूंगे की माला गणेश और लक्ष्मी की साधना में प्रयुक्त होती है। धन-संपत्ति, द्रव्य और स्वर्ण आदि की प्राप्ति की कामना के लिए की जाने वाली साधना मूंगे की माला को अत्यधिक प्रभावशाली माना गया है। मंगल ग्रह का जप भी इस माला से किया जाता है।
मंगल मंत्र- ऊँ अं अंगारकाय नमः।

तुलसी की माला

वैष्णव भक्तों तथा राम और कृष्ण की उपासना के लिए यह माला उत्तम मानी गई है। इस माला को धारण करने वाला पूर्ण शाकाहारी होना चाहिए। धारक का प्याज व लहसुन से भी पूरी तरह दूर रहने से सकारात्मक परिणाम मिलते हैं।
कृष्ण मंत्र- ऊँ नमोभगवते वासुदेवायः।
ऊँ कृष्णं शरणं गच्छामिः॥

स्फटिक माला

स्फटिक माला सौम्य प्रभाव से युक्त होती है। इसके धारक को चंद्रमा, शुक्र व शिवजी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इन देवताओं के जातक प्रिय होते हैं। मानसिक शांति, सात्विक और पुष्टि कार्यों की साधना के लिए यह माला उत्तम मानी जाती है। **चंद्र मंत्र-** ऊँ सों सोमाय नमः।
शुक्र मंत्र- ऊँ शुं शुक्राय नमः।

शंख माला

शंख माला विशेष तांत्रिक प्रयोगों में प्रभावशाली रहती है। शिवजी की साधना और सात्विक कामनाओं की पूर्ति के लिए इसे धारण करना उत्तम माना जाता है।
शिव मंत्र- ऊँ नमः शिवायः।
रुद्र गायत्री- ऊँ तत्पुरुषाय विधमहे महादेवाय धीमहि, तन्नो रुद्रः प्रचोदयातः।

वैजयंती माला

यह माला भगवान विष्णु की आराधना में प्रयुक्त होती है। श्रीविष्णु को वैजयंती बहुत प्रिय है। माना जाता है कि इसको धारण करने या जाप करने से भगवान प्रसन्न होते हैं और सदा आशीर्वाद रखते हैं। वैष्णव भक्त इसे सामान्य रूप में भी धारण कर सकते हैं। **विष्णु मंत्र-** ऊँ नमो नारायणः

हल्दी की माला

हल्दी की यह माला गणेशजी को प्रसन्न करने के लिए काम में ली जाती है। गणेश पूजा में प्रयोग लाई जाने वाली इस माला का बृहस्पति ग्रह और देवी बगलामुखी की साधना में भी प्रयोग किया जाता है।
गुरु मंत्र- ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रौ गुः गुरवे नमः।

पारद माला

इसका दूसरा नाम त्रिलोक्य विजय माला है। इसके पहनने से दरिद्रता दूर होती है तथा शिव व शनि प्रसन्न होते हैं।

आकस्मिक धनागमन होने की संभावना बढ़ती है। शरीर के समस्त रोग स्वतः ही धीरे-धीरे कम होने लगते हैं। शनि की साढ़ेसाती दोष निवारण में भी यह राहत प्रदान करती है।

मोती माला

यह माला चंद्रमा की तथा आकर्षण व मानसिक शांति के लिए उपयुक्त है। इसे पहनने से स्त्रियों के सौंदर्य में वृद्धि व शीतलता का अनुभव होता है।
चंद्र मंत्र- ऊँ सों सोमाय नमः।

चंदन की माला

यह दो प्रकार की होती है- सफेद और लाल चंदन की। सफेद चंदन की माला का प्रयोग शांति पुष्टि कर्मों में तथा राम, विष्णु आदि देवताओं की उपासना व राहू ग्रह की शांति के लिए जप किया जाता है। जबकि लाल चंदन की माला गणेशोपासना तथा साधना (दुर्गा, लक्ष्मी, त्रिपुरसुंदरी) आदि की साधना के लिए प्रयुक्त होती है। लाल चंदन की माला से सूर्य का भी जप किया जाता है। धन- धान्य की प्राप्ति की साधना में भी इस माला का प्रयोग किया जाता है।
राहू मंत्र- ऊँ भ्रां भ्री भ्रौ रां: राहवे नमः।
सूर्य मंत्र- ऊँ धृर्णि सूर्य आदित्य श्री ऊँ।

रोग विनाशक रुद्राक्ष माला

रुद्राक्ष शिव को परम् प्रिय है। वैज्ञानिक तौर पर रुद्राक्ष में चुंबकीय, विद्युतीय और आकर्षण शक्तियां पाई जाती हैं। इसके स्पर्श एवं उपयोग से अनेक पापों से छुटकारा मिलता है। इससे दीर्घायु एवं स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। रुद्राक्ष के उपयोग से स्नायु रोग, स्त्री रोग, गले के रोग, रक्तचाप, मिरगी, दमा, नेत्र रोग, सिर दर्द आदि कई बीमारियों से लाभ होता है। श्रद्धा-भक्ति से धारण किया गया रुद्राक्ष सम्पूर्ण कामनाओं को सिद्ध करता है। रुद्राक्ष सामान्यतः एक से इक्कीस मुख तक पाए जाते हैं परन्तु पंद्रह से इक्कीस मुख रुद्राक्ष प्रायः दुर्लभ होते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष साक्षात भगवान शंकर का स्वरूप है। यह अत्यंत दुर्लभ है व कई कार्यों में सफलता देता है।

बुध देवता की कृपा से पाएं धन-वैभव का प्रसाद

बुध ग्रह को ग्रहों में राजकुमार की उपाधि दी गई है। बुध ग्रह को भगवान विष्णु का प्रतिनिधि कहा जा सकता है। इसीलिए धन, वैभव आदि का संबंध बुध से है। बुध की दिशा उत्तर है तथा उत्तर दिशा कुबेर का स्थान भी है। बुध से जुड़ा सर्वाधिक महत्वपूर्ण गुण धर्म है। अनुकूलनशीलता हर हाल में खुद को ढाल लेना सिर्फ बुध प्रधान व्यक्ति ही कर सकता है। बुध को कई महत्वपूर्ण तथ्यों का कारक ग्रह माना गया है जैसे - वाणी का कारक, बुद्धि का कारक, त्वचा का कारक, मस्तिष्क की तंत्रिका तंत्र का कारक आदि। जन्म या वर्ष कुंडली में बुध ग्रह अशुभफलदायी हो तो भगवान विष्णु का ध्यान करके शुक्ल पक्ष के बुधवार को आरंभ करके 9000 की संख्या में बीज मंत्र का जप करना चाहिए। बुध के तांत्रोक्त मंत्र हैं

ऊँ स्त्रीं श्रीं बुधाय नमः
ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः
ऊँ स्त्रीं स्त्रीं बुधाय नमः

दान योग्य वस्तुएं मूंगी, 5 हरे फल, चीनी, हरे पुष्प, हरी इलायची, कांस्य पत्र, पन्ना सोना, हाथी का दांत, हरी सब्जी, हरा कपड़ा, दक्षिणा सहित दान करें।
उपाय कुंडली में बुध शुभ होते हुए भी फलकारक न हो तो निम्न उपाय शुभ होंगे-

- हरे रंग का पन्ना बुधवार को सोने की अंगुठी में धारण करें।
- हरे रंग के वस्त्र पहनें परंतु यदि बुध अशुभ हो तो हरे वस्त्र कदापि न पहनें।
- बुधवार को चांदी या कांस्य के गोल टुकड़े को हरे रंग के कपड़े में लपेट कर जेब में रखें या भुजाओं के साथ बांधें।

यदि बुध अशुभ हो तो

- मूंगी साबत के सात दानें, हरा पत्थर, कांसे का गोल चुकड़ा, हरे वस्त्र में लपेट कर बुधवार को चलते पानी में बहाना शुभ होगा। पानी में बहाते समय कम से कम सात बार बीज मंत्र पढ़ें।
- हरे रंग के वस्त्र किसी हिजड़े को बुधवार के दिन देना शुभ होता है।
- 6 इलायची हरे रूमाल में लपेटकर अपने पास रखें तथा इसके पश्चात एक इलायची व तुलसी पत्र का सेवन करना शुभ रहेगा।

ऐसा करने से शनि का कोप शांत होता है...

सूर्य पुत्र शनि देव का नाम सुनकर लोग सहम से जाते हैं। शनि की टेढ़ी चाल से किसे डर नहीं लगता, उनके क्रोध से देवता भी थर-थर कांपते हैं, कहते हैं शनि की कृपा राजा को रंक और रंक को राजा बना सकती है। लेकिन शनि देव इंसान के कर्मों के अनुसार ही फल देते हैं। शनिदेव का व्रत एवं पूजन करने से वह प्रसन्न हो जाते हैं। शनि देव की प्रसन्नता के बाद व्यक्ति को परेशानियों से मुक्ति मिल जाती है और शनि की दशा के समय उनके भक्तों को कष्ट की अनुभूति नहीं होती है।

- शनिवार के दिन शनि देव को नीले लाजवंती का फूल, तिल, तेल, गुड़ अर्पण करें।
- पीपल में जल दें और पीपल की जड़ पर तिल या सरसों के तेल का दीपक जलाएं।
- शनि मन्त्र ऊँ शनैश्चराय नम का जाप करें।
- काली चींटियों को गुड़ एवं आटा खिलाएं।
- किसी कुत्ते को तेल चुपड़ी हुई रोटी खिलाएं। कुत्ता शनिदेव का वाहन है और जो लोग कुत्ते को खाना खिलाते हैं उनसे शनि अति प्रसन्न होते हैं।
- तिल और उड़द से बने पकवान शनिदेव को भोग लगाएं। शनिवार को साबुत उडद किसी भिखारी को दान करें या कौए को खिलाएं।
- काले रंग का वस्त्र धारण करें।
- शनिवार के दिन शनि भगवान का व्रत रखें। शनि चालीसा का पाठ, शनि मंत्रों का जाप एवं हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- शनि की शांति के लिए नीलम भी पहन सकते हैं। काले घोड़े की नाल का छल्ला मध्यमा अंगुली में धारण करें।
- शनिवार को शनि ग्रह की वस्तुओं का दान करें, शनि ग्रह की वस्तुएं हैं काला उड़द, चमड़े का जूता, नमक, सरसों तेल, तेल, नीलम, काले तिल, लोहे से बनी वस्तुएं, काला कपड़ा आदि।

भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए

सबसे सरल व उत्तम उपाय

भगवान गणेश की कोई भी मूर्त देखें तो उनके साथ सर्वदा उनका प्रिय भोजन मोदक अवश्य होता है। गणेश जी के हाथ में रखे मोदक का अर्थ है कि उनके हाथ में आनंद प्रदान करने की शक्ति है। मोदक मान का प्रतीक है इसलिए उसे ज्ञानमोदक कहकर भी संबोधित किया जाता है। जिस प्रकार मोदक मीठा होता है वैसे ही ज्ञान से प्राप्त आनंद भी मीठा होता है।

शास्त्रों के मतानुसार भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए सबसे सरल व उत्तम उपाय है मोदक का भोग। गणपति पूजा में अगर अपने मोदक का भोग अर्पित नहीं किया तो आपकी पूजा अधूरी ही रहती है। इसका कारण यह है कि गणेश जी को सबसे प्रिय मोदक है। गणेश जी का मोदक प्रिय होना भी उनकी बुद्धिमानी का परिचय है। मोद यानी आनंद व क का अर्थ है छोटा-सा भाग। अतः मोदक यानी आनंद का छोटा-सा भाग। मोदक का आकार नारियल समान यानी ख नामक ब्रह्मरंध्र के खोल जैसा होता है। कुंडलिनी के ख तक पहुंचने पर आनंद की अनुभूति होती है। पद्म पुराण के सृष्टि खंड में गणेश जी को मोदक प्रिय होने का जो वृतांत मिलता है उसके अनुरूप मोदक का निर्माण अमृत से हुआ है। यजुर्वेद के अनुसार गणेश जी परब्रह्म स्वरूप हैं। लड्डू को ध्यानपूर्वक देखने से ज्ञात होता है कि उसका आकार ब्रह्माण्ड के समान है। गणेश जी के हाथों में लड्डू का होना यह भी दर्शाता है कि गणेश जी ने ब्रह्माण्ड को धारण कर रखा है। सृष्टि के समय गणेश जी ब्रह्मण्ड को प्रलय रूपी मुख में रख लेते हैं और सृष्टि के आरंभ में इसकी रचना करते हैं।

वो 21 नाम जो करेंगे समस्याओं का निदान

क्या आपके घर में कलह क्लेश रहता है, कोई भी काम करते हैं तो बनते-बनते बिगड़ जाते हैं, शत्रु अकारण परेशान करते रहते हैं, स्वास्थ्य खराब रहता है, कोई न कोई रोग तन को लगा ही रहता है, बच्चे की बुद्धि का विकास नहीं हो रहा है तो फिर आप जान लिजिए वो 21 नाम जो करेंगे आपकी समस्याओं का निदान।

धार्मिक उपायों में भगवान गणेश का सबसे पहले ध्यान किया जाता है क्योंकि श्री गणेश संकटों को दूर करने वाले देवता माने जाते हैं। गणेश जी अपने भक्तों की श्रद्धा और भक्ति देखते हैं। जो भक्त इनके प्रति जितनी श्रद्धा रखता है गणेश जी उस पर उतने ही कृपालु बने रहते हैं।

1- ऊँ सुमुखाय नमः
2- ऊँ गणाधीशाय नमः
3- ऊँ उमापुत्राय नमः
4- ऊँ गजमुखाय नमः
5- ऊँ लंबोदराय नमः
6- ऊँ हरसूनवे नमः
7- ऊँ शूर्पकर्णाय नमः
8- ऊँ वक्रतुण्डाय नमः
9- ऊँ गुहाग्रजाय नमः
10- ऊँ एकदंताय नमः
11- ऊँ हेरम्बाय नमः
12- ऊँ चतुर्होत्रे नमः
13- ऊँ सर्वेश्वराय नमः
14- ऊँ विकटाय नमः
15- ऊँ हेमतुण्डाय नमः
16- ऊँ विनायकाय नमः
17- ऊँ कपिलाय नमः
18- ऊँ कटवे नमः
19- ऊँ भालचंद्राय नमः
20- ऊँ सुराग्रजाय नमः
21- ऊँ सिद्धिविनायकाय नमः

संक्षिप्त समाचार

कोच पर लगा आजीवन प्रतिबंध, अरशद नदीम की मुश्किलें बढ़ीं

लाहौर। पाकिस्तान के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। इसका कारण है कि अरशद के कोच सलमान इकबाल पर पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ (पीएएएफ) ने आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। कोच पर ये प्रतिबंध पंजाब एथलेटिक्स संघ के संविधान का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया है। अब सलमान किसी भी एथलेटिक्स गतिविधि में शामिल नहीं हो पायेंगे। इसके अलावा वह किसी भूमिका में भी भाग नहीं ले पायेंगे। महासंघ के अनुसार इकबाल ने अगस्त में पंजाब एथलेटिक्स संघ के चुनाव कराकर नियमों को तोड़ा है।

युवा खिलाड़ी की मैदान पर दिल का दौरा पड़ने से मौत

मुरादाबाद। खेल के मैदान में हो रही मौतों के मामले बढ़ते जा रहे हैं। अब उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में एक स्थानीय क्रिकेट मैच के दौरान एक युवा खिलाड़ी की गेंदबाजी के दौरान दिन का दौरा पड़ने से मौत हो गयी। इससे सभी सन्न रह गये। ये मामला मुरादाबाद के बिलारी ब्लॉक क्षेत्र का है। यहां मैच के दौरान गेंदबाज लड़खड़ाकर गिर पड़ा। अचानक हुए इस घटनाक्रम को पहले तो खिलाड़ी और दर्शक समझ ही नहीं पाये। इसके बाद जब खिलाड़ी नहीं उठा तो पाए। उसे उठाया गया और तत्काल ही अस्पताल ले जाया गया पर न डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एक खिलाड़ी की मैदान पर हुई मौत से इलाके में दुख की लहर फैल गयी है।

सूर्यकुमार और उनकी पत्नी ने महाकालेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना की

उज्जैन। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी पत्नी देविशा शेट्टी के साथ रविवार को उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना के लिए पहुंचे। सूर्यकुमार और देविशा यहां दिव्य संध्या आरती में भी शामिल हुए। सूर्यकुमार और देविशा ने बाबा महाकाल के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इन्होंने संध्या आरती के दौरान मंदिर के नंदी हाल में भी कुछ समय बिताया और भगवान शिव की अराधना की। वहीं इससे पहले महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सूर्य कुमार का विधिवत स्वागत किया गया। मंदिर की परंपरा के अनुसार, उन्हें भगवान महाकाल का प्रसाद और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं वन व्यवस्थापन अधिकारी बेगमगंज जिला रायसेन

कमांक/739/रीडर–1/ बेगमगंज दिनांक 23.07.2025

(उद्घोषणा)
(धारा–6 भारतीय वन अधिनियम 1927 के अंतर्गत)

एतद् द्वारा सर्व संबंधित एवं ग्रामवासियों ग्राम **चांदबड़ दक्षिण** प.ह.नं. 16 ग्राम पंचायत **चांदबड़** तहसील बेगमगंज, जिला रायसेन को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित भूमि को भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा –4 के अनुसार मध्यप्रदेश शासन ने आरक्षित वन घोषित करने का विनिश्चय किया है। तदाशय की अधिसूचना मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) में दिनांक 28.08.1970 को प्रकाशित की जा चुकी है। जिसमें वन की स्थिति एवं सीमाएं विनिर्दिष्ट की गई है। यह भूमि आरक्षित हो जाने पर किसी भी प्रकार का दखल, प्रवेश, उपयोग, मार्ग एवं चराई अधिकार, वनोपज संबंधी अधिकार, उत्खनन संबंधी अधिकार, कृषि आदि जीवकोपार्जन अधिकार बंद एवं प्रतिबंधित जो जावेगा। उल्लंघन होने पर भारतीय वन अधिनियम 1927 वन संरक्षण अधिनियम 1980 एवं अन्य सुसंगत वन विधियों व विधानों के अंतर्गत दण्डात्मक कार्यवाही की जा सकेगी ।

अतः एतद्द्वारा अपेक्षा की जाती है कि इस उद्घोषणा के प्रकाषन दिनांक से तीन माह के अन्दर कोई भी या समस्त हितग्राही व्यक्ति, पक्षकार आदि उपरोक्त कार्यालय में कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं वन व्यवस्थापन अधिकारी बेगमगंज जिला रायसेन के समक्ष उपस्थित होकर अपने अधिकार, दावाकृत प्रतिकार, स्वत्व आदि बावत् प्रमाणों, दस्तावेजों सहित लिखित सूचना, आपत्ति आदि प्रस्तुत करें तथा प्रमाणित करें। उक्त अवधि के पष्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जाएगा।

उद्घोषणा आज दिनांक 23.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी एवं
वन व्यवस्थापन अधिकारी
अनुभाग बेगमगंज

G19982/25

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं वन व्यवस्थापन अधिकारी बेगमगंज जिला रायसेन

कमांक/807/रीडर–1/ बेगमगंज दिनांक 23.07.2025

(उद्घोषणा)
(धारा–6 भारतीय वन अधिनियम 1927 के अंतर्गत)

एतद् द्वारा सर्व संबंधित एवं ग्रामवासियों ग्राम **भुरेरू उत्तर** प.ह.नं. 2 ग्राम पंचायत **भुरेरू** तहसील बेगमगंज, जिला रायसेन को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित भूमि को भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा –4 के अनुसार मध्यप्रदेश शासन ने आरक्षित वन घोषित करने का विनिश्चय किया है। तदाशय की अधिसूचना मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) में दिनांक 28.08.1970 को प्रकाशित की जा चुकी है। जिसमें वन की स्थिति एवं सीमाएं विनिर्दिष्ट की गई है। यह भूमि आरक्षित हो जाने पर किसी भी प्रकार का दखल, प्रवेश, उपयोग, मार्ग एवं चराई अधिकार, वनोपज संबंधी अधिकार, उत्खनन संबंधी अधिकार, कृषि आदि जीवकोपार्जन अधिकार बंद एवं प्रतिबंधित जो जावेगा। उल्लंघन होने पर भारतीय वन अधिनियम 1927 वन संरक्षण अधिनियम 1980 एवं अन्य सुसंगत वन विधियों व विधानों के अंतर्गत दण्डात्मक कार्यवाही की जा सकेगी ।

अतः एतद्द्वारा अपेक्षा की जाती है कि इस उद्घोषणा के प्रकाषन दिनांक से तीन माह के अन्दर कोई भी या समस्त हितग्राही व्यक्ति, पक्षकार आदि उपरोक्त कार्यालय में कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं वन व्यवस्थापन अधिकारी बेगमगंज जिला रायसेन के समक्ष उपस्थित होकर अपने अधिकार, दावाकृत प्रतिकार, स्वत्व आदि बावत् प्रमाणों, दस्तावेजों सहित लिखित सूचना, आपत्ति आदि प्रस्तुत करें तथा प्रमाणित करें। उक्त अवधि के पष्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जाएगा।

उद्घोषणा आज दिनांक 23.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी एवं
वन व्यवस्थापन अधिकारी
अनुभाग बेगमगंज

G20004/25

कार्यालय कलेक्टर जिला – रायसेन (म0प्र0)

क्रमाँक/9056/वित्त/2025 रायसेन, दिनांक 01/10/2025

वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिये वाहन किराये पर लिये जाने हेतु विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि कलेक्टर कार्यालय एवं जिला कार्यालय रायसेन से संबंधित अन्य कार्यालयों तथा तहसील कार्यालयों (मुख्यालय स्तर पर– रायसेन/ गैरतगंज/ बेगमगंज/ सिलवानी/सुल्तानपुर/ उदयपुरा/ बरेली/ बाड़ी/ गौहरगंज/देवरी) में पदस्थ तहसीलदारो के लिये मासिक दर पर वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु टैक्सी कोटे में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय से रजिस्टर्ड वाहन समय–समय पर आवश्यकतानुसार किराये पर लिये जाने हैं, इस हेतु संलग्न विस्तृत निविदा शर्तों के साथ सीलबंद निविदायें पंजीकृत फर्मो/संस्थाओं/व्यक्तियों से निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 27/10/2025 अपरान्ह 03:00 बजे तक कार्यालय कलेक्टर जिला – रायसेन में आमंत्रित की जाती हैं। उक्त प्राप्त निविदाऐं दिनांक 29/10/2025 को समय अपरान्ह 04:00 बजे कलेक्टर कार्यालय रायसेन के सभाकक्ष में उपस्थित निविदाकारों के समक्ष खोली जावेगी।

निविदा की विस्तृत शर्तें एवं जानकारी जिले की वेबसाइट https://raisen.nic.in पर देखी जा सकती हैं।

डिप्टी कलेक्टर
वास्ते कलेक्टर, रायसेन

G20017/25

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं वन व्यवस्थापन अधिकारी बेगमगंज जिला रायसेन

कमांक/724/रीडर–1/ बेगमगंज दिनांक 23.07.2025

(उद्घोषणा)
(धारा–6 भारतीय वन अधिनियम 1927 के अंतर्गत)

एतद् द्वारा सर्व संबंधित एवं ग्रामवासियों ग्राम **हिनोतिया पचौरी** प.ह.नं. 14 ग्राम पंचायत **गेंहूरास** तहसील बेगमगंज, जिला रायसेन को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित भूमि को भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा –4 के अनुसार मध्यप्रदेश शासन ने आरक्षित वन घोषित करने का विनिश्चय किया है। तदाशय की अधिसूचना मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) में दिनांक 28.08.1970 को प्रकाशित की जा चुकी है। जिसमें वन की स्थिति एवं सीमाएं विनिर्दिष्ट की गई है। यह भूमि आरक्षित हो जाने पर किसी भी प्रकार का दखल, प्रवेश, उपयोग, मार्ग एवं चराई अधिकार, वनोपज संबंधी अधिकार, उत्खनन संबंधी अधिकार, कृषि आदि जीवकोपार्जन अधिकार बंद एवं प्रतिबंधित जो जावेगा। उल्लंघन होने पर भारतीय वन अधिनियम 1927 वन संरक्षण अधिनियम 1980 एवं अन्य सुसंगत वन विधियों व विधानों के अंतर्गत दण्डात्मक कार्यवाही की जा सकेगी ।

अतः एतद्द्वारा अपेक्षा की जाती है कि इस उद्घोषणा के प्रकाषन दिनांक से तीन माह के अन्दर कोई भी या समस्त हितग्राही व्यक्ति, पक्षकार आदि उपरोक्त कार्यालय में कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं वन व्यवस्थापन अधिकारी बेगमगंज जिला रायसेन के समक्ष उपस्थित होकर अपने अधिकार, दावाकृत प्रतिकार, स्वत्व आदि बावत् प्रमाणों, दस्तावेजों सहित लिखित सूचना, आपत्ति आदि प्रस्तुत करें तथा प्रमाणित करें। उक्त अवधि के पष्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जाएगा।

उद्घोषणा आज दिनांक 23.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी एवं
वन व्यवस्थापन अधिकारी
अनुभाग बेगमगंज

G19959/25

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं वन व्यवस्थापन अधिकारी बेगमगंज जिला रायसेन

कमांक/717/रीडर–1/ बेगमगंज दिनांक 23.07.2025

(उद्घोषणा)
(धारा–6 भारतीय वन अधिनियम 1927 के अंतर्गत)

एतद् द्वारा सर्व संबंधित एवं ग्रामवासियों ग्राम **गोरखपुर** प.ह.नं. 53 ग्राम पंचायत **जमुनिया ता. कोठीखोह** तहसील बेगमगंज, जिला रायसेन को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित भूमि को भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा –4 के अनुसार मध्यप्रदेश शासन ने आरक्षित वन घोषित करने का विनिश्चय किया है। तदाशय की अधिसूचना मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) में दिनांक 28.08.1970 को प्रकाशित की जा चुकी है। जिसमें वन की स्थिति एवं सीमाएं विनिर्दिष्ट की गई है। यह भूमि आरक्षित हो जाने पर किसी भी प्रकार का दखल, प्रवेश, उपयोग, मार्ग एवं चराई अधिकार, वनोपज संबंधी अधिकार, उत्खनन संबंधी अधिकार, कृषि आदि जीवकोपार्जन अधिकार बंद एवं प्रतिबंधित जो जावेगा। उल्लंघन होने पर भारतीय वन अधिनियम 1927 वन संरक्षण अधिनियम 1980 एवं अन्य सुसंगत वन विधियों व विधानों के अंतर्गत दण्डात्मक कार्यवाही की जा सकेगी ।

अतः एतद्द्वारा अपेक्षा की जाती है कि इस उद्घोषणा के प्रकाषन दिनांक से तीन माह के अन्दर कोई भी या समस्त हितग्राही व्यक्ति, पक्षकार आदि उपरोक्त कार्यालय में कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं वन व्यवस्थापन अधिकारी बेगमगंज जिला रायसेन के समक्ष उपस्थित होकर अपने अधिकार, दावाकृत प्रतिकार, स्वत्व आदि बावत् प्रमाणों, दस्तावेजों सहित लिखित सूचना, आपत्ति आदि प्रस्तुत करें तथा प्रमाणित करें। उक्त अवधि के पष्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जाएगा।

उद्घोषणा आज दिनांक 23.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी एवं
वन व्यवस्थापन अधिकारी
अनुभाग बेगमगंज

G19994/25

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं वन व्यवस्थापन अधिकारी बेगमगंज जिला रायसेन

कमांक/794/रीडर–1/ बेगमगंज दिनांक 23.07.2025

(उद्घोषणा)
(धारा–6 भारतीय वन अधिनियम 1927 के अंतर्गत)

एतद् द्वारा सर्व संबंधित एवं ग्रामवासियों ग्राम **खमरिया दक्षिण** प.ह.नं. 51 ग्राम पंचायत **खमरिया ता. नई गडिया** तहसील बेगमगंज, जिला रायसेन को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित भूमि को भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा –4 के अनुसार मध्यप्रदेश शासन ने आरक्षित वन घोषित करने का विनिश्चय किया है। तदाशय की अधिसूचना मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) में दिनांक 28.08.1970 को प्रकाशित की जा चुकी है। जिसमें वन की स्थिति एवं सीमाएं विनिर्दिष्ट की गई है। यह भूमि आरक्षित हो जाने पर किसी भी प्रकार का दखल, प्रवेश, उपयोग, मार्ग एवं चराई अधिकार, वनोपज संबंधी अधिकार, उत्खनन संबंधी अधिकार, कृषि आदि जीवकोपार्जन अधिकार बंद एवं प्रतिबंधित जो जावेगा। उल्लंघन होने पर भारतीय वन अधिनियम 1927 वन संरक्षण अधिनियम 1980 एवं अन्य सुसंगत वन विधियों व विधानों के अंतर्गत दण्डात्मक कार्यवाही की जा सकेगी ।

अतः एतद्द्वारा अपेक्षा की जाती है कि इस उद्घोषणा के प्रकाषन दिनांक से तीन माह के अन्दर कोई भी या समस्त हितग्राही व्यक्ति, पक्षकार आदि उपरोक्त कार्यालय में कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं वन व्यवस्थापन अधिकारी बेगमगंज जिला रायसेन के समक्ष उपस्थित होकर अपने अधिकार, दावाकृत प्रतिकार, स्वत्व आदि बावत् प्रमाणों, दस्तावेजों सहित लिखित सूचना, आपत्ति आदि प्रस्तुत करें तथा प्रमाणित करें। उक्त अवधि के पष्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जाएगा।

उद्घोषणा आज दिनांक 23.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी एवं
वन व्यवस्थापन अधिकारी
अनुभाग बेगमगंज

G19990/25

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई–टेंडरिंग/406/1572
कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल
ई मेल– mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in
फोन– 0755–2553402 फैक्स–0755–2552406

// निविदा आमंत्रण सूचना //

निविदा सूचना क्रमांक– 617/2715001/ई.डी.पी./2021–22/प्र.अ./ई–टेंडरिंग भोपाल, दिनांक 09/10/2025

निम्न कार्यो हेतु निविदा वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर दिनांक 31-10-2025 को 17:30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते है ।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रू. लाख में
1	2025_WRD_428971	सगड़ मध्यम परियोजना के रेडियल गेट्स की रबर सील एवं रोलर असेंबली सप्लाई का कार्य।	भोपाल	7.10
2	2025_WRD_428973	के.सी.एस. दूधी मध्यम परियोजना के 09 नग रेडियल गेट्स की रबर सील बदलने का कार्य।	भोपाल	1.74
3	2025_WRD_428974	के.सी.एस. दूधी मध्यम परियोजना के 09 नग रेडियल गेट्स के वायर रोप बदलने का कार्य।	भोपाल	3.18
4	2025_WRD_428976	केरवा बॉध, भोपाल का वार्षिक सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	3.54
5	2025_WRD_428977	कोलार परियोजना के आर.डी. 23910 रालाह आर.बी.एम.सी. पर एच. आर. गेट का सुधार कार्य।	भोपाल	3.30
6	2025_WRD_428979	ब्रघरू बॉध के एल.बी.एम.सी. एवं आर.बी.एम.सी. केनाल स्लूस गेट्स का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	4.23
7	2025_WRD_428980	खेतान बांध के सी.आर. एवं एच.आर. नहर गेट का मरम्मत कार्य।	भोपाल	4.08
8	2025_WRD_428981	कॉचा बांध के 11 नग कैनाल स्लूस गेट्स (आर.डी. मीटर 0 एल से 10116 तक) का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	भोपाल	7.99
9	2025_WRD_428983	मोगा, नान्सिरी, कलवारी, ऊंचाखेड़ा, कुकरा, बरखेड़ा, मनकापुरा, सालाबर्रू एवं सेमराखास माइनर टैंक्स का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	7.91
10	2025_WRD_428988	संभाग राजगढ़ के 108 नग माइनर टैंक के कुल 98 नग स्लूस गेट्स का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	6.57
11	2025_WRD_430871	बसई वितरिका की लहर्रा और बसई माइनर की सर्विस रोड एवं सब माइनरों का मरम्मत कार्य।	शिवपुरी	15.26
12	2025_WRD_430872	राजघाट बांयी तट मुख्य नहर की आर.डी. 48000 मी से 83670 मी. के मध्य वितरिकाओं, सर्विस रोड, माइनरों एवं सब माइनरों का मरम्मत कार्य।	शिवपुरी	11.86
13	2025_WRD_430873	राजघाट बांयी तट मुख्य नहर की आर.डी. 0 मी से 48000 मी. के मध्य वार्षिक मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	शिवपुरी	14.05
14	2025_WRD_440532	केन–बेतवा लिंक परियोजना संभाग क्रमांक 1 पवई के निर्मित आवासीय/ कार्यालयीन भवन की मरम्मत एवं अन्य कार्य।	पन्ना	10.36
15	2025_WRD_443790	तिरमऊ बैराज लघु सिंचाई योजना के एम.एस.शटर निकालने एवं लगाने का कार्य।	बैतुल	1.11
16	2025_WRD_443791	कोंढरखापा बैराज लघु सिंचाई योजना के एम.एस.शटर निकालने एवं लगाने का कार्य।	बैतुल	0.76
17	2025_WRD_443792	नागढ़ाना स्टोरेज जलाशय का सर्वेक्षण कार्य।	बैतुल	1.73
18	2025_WRD_443796	भूयारीघाट बैराज लघु जलाशय का सर्वेक्षण कार्य।	बैतुल	0.42
19	2025_WRD_443799	खोदरीढ़ाना स्टोरेज जलाशय का सर्वेक्षण कार्य।	बैतुल	0.69
20	2025_WRD_443801	बिछुआ स्टोरेज जलाशय का सर्वेक्षण कार्य।	बैतुल	1.07
21	2025_WRD_445096	मकड़ाई अनुविभाग अंतर्गत नहरों की देखरेख हेतु मजदूरों का प्रदाय।	नर्मदापुरम्	2.11
22	2025_WRD_445097	मिसरोद अनुविभाग अंतर्गत नहरों की देखरेख हेतु मजदूरों का प्रदाय।	नर्मदापुरम्	2.35
23	2025_WRD_445098	भिलाड़िया अनुविभाग अंतर्गत मुख्य नहर (03 सी.आर. एवं 02 एच. आर.) भिलाड़िया उपनहर चैन क्र. 247 एवं 334 की सी.आर. एवं नहरों की देखरेख हेतु मजदूरों का प्रदाय।	नर्मदापुरम्	3.75
24	2025_WRD_446078	वि./यां. एफ.ओ.एम. उपसंभाग भोपाल एवंम उज्जैन के उपयोग हेतु निरीक्षण वाहन किराये पर लेना ।	भोपाल	3.42
25	2022_WRD_446135	मुरैना शाखा नहर के कि.मी. 0 से 36.08 तक एवं इसकी 1 एल एवं 17 एल शाखाओं तथा 21 एल वितरिका एवं 20 एल/21 एल नहर की सफाई का कार्य ।	मुरैना	13.01
26	2025_WRD_448695	वि.यां./आर.डब्ल्यू.एस. उपसंभाग बालाघाट हेतु उपयोगिता वाहन किराये पर लेना ।	बालाघाट	3.35
27	2025_WRD_448743	वि.यां./एफ.ओ.एम उपसंभाग छिन्दवाडा हेतु उपयोगिता वाहन किराये पर लेना ।	बालाघाट	3.35
28	2025_WRD_448999	लाईट मशीनरी एवं वि./यां उपसंभाग दतिया हेतु 6 माह के लिये मैनपावर उपलब्ध कराना।	दतिया	3.22
29	2025_WRD_449039	कावली नियंत्रण कक्ष एवं रेवा बैराज के निगरानी एवं संचालन हेतु अकुशल श्रमिक का प्रदाय।	मंदसौर	11.18
30	2025_WRD_449040	भानपुरा नहर परियोजना के बाई तट नहर निगरानी एवं संचालन हेतु अर्द्धकुशल एवं अकुशल श्रमिक का प्रदाय।	मंदसौर	16.19
31	2025_WRD_449133	हालोन जलाशय की बांयी तट नहर एवं दांयी तट नहर की बैंक रेसिंग, फिक्सिंग, लाईनिंग एवं मरम्मत कार्य।	सिवनी	8.39
32	2025_WRD_449162	लाईट मशीनरी एवं वि./यां. संभाग नर्मदापुरम हेतु निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	नर्मदापुरम्	3.42
33	2025_WRD_450273	वि./यां. एफ.ओ.एम. उपसंभाग उज्जैन/धार हेतु उपयोगिता वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	3.35
34	2025_WRD_450806	वि./यां. भारी मशीनरी उपसंभाग भोपाल हेतु उपयोगिता वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	3.35
35	2025_WRD_450893	बारना विस्तारीकरण परियोजना की नहरो की साफ–सफाई, मरम्मत, रख–रखाव एवं संचालन के कार्य।	रायसेन	16.80
36	2025_WRD_451013	देवास स्थित संभाग, उपसंभाग एवं नवीन कार्यालय भवन, ब्राहम्ण खेडा के देखरेख एवं साफ सफाई का कार्य।	देवास	7.38
37	2025_WRD_451086	सीवनपाट जलाशय के गाईडवाल में वेस्टवियर का निर्माण कार्य।	बैतुल	13.89
38	2025_WRD_451125	उपसंभाग सुल्तानपुर के 14 नग माइनर टैंक गेट्स का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	3.86
39	2025_WRD_451131	कार्यालय मुख्य अभियंता, चम्बल बेतवा कछार, भोपाल एवं अधीक्षण यंत्री, जल संसाधन मंडल–भोपाल के एयर कंडीशनर्स व वाटर कूलर मशीन का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	0.97
40	2025_WRD_451140	संजय सागर बांध (मध्यम) के रेस्ट हाउस एवं कंण्ट्रोल रूम बिल्डिंग का आंतरिक विद्युतीकरण का कार्य।	भोपाल	4.11
41	2025_WRD_451141	के.सी.एस.दूधी बांध के केनाल गेट्स का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	1.46
42	2025_WRD_451142	ला.म.एवं वि./यां. उपसंभाग, गुना हेतु निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	3.42
43	2025_WRD_451146	राजीव सागर बांध के केनाल गेट्स का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	1.25
44	2025_WRD_451425	संभाग गुना के 09 नं. स्टाप डेम/बैराज के गेट लगाने एवं खोलने का कार्य।	गुना	5.24
45	2025_WRD_451837	आंवलिया मध्यम परियोजना की गैलरी में डीवाटरिंग हेतु 20 एचपी नॉन–क्लॉग सबमर्सिबल पंप सेट (01 नग) का प्रदाय एवं स्थापना का कार्य।	धार	5.09
46	2025_WRD_452775	संजय सरोवर परियोजना के उपसंभाग क्र. 04 केवलारी के टी.एल. बी.सी. के केनाल गेटों का मरम्मत का कार्य।	नरसिंहपुर	5.45
47	2025_WRD_452776	संजय सरोवर परियोजना के उपसंभाग क्र. 03 केवलारी के टी.एल. बी.सी. के केनाल गेटों का मरम्मत का कार्य।	नरसिंहपुर	3.58
48	2025_WRD_452777	बी.आर.बी.सी. मेन केनाल सी.एच. 49 से सी.एच. 1284 और टेल ब्रांच सी.एच. 0 से सी.एच. 468 एवं डिस्ट्रीब्यूटरी, माइनर्स और सबमाइनर्स के गेटों का मरम्मत का कार्य।	नरसिंहपुर	3.63
49	2025_WRD_452778	बी.आर.बी.सी. टेल ब्रांच सी.एच. 468 से सी.एच. 984 और केवलारी डिस्ट्रीब्यूटरी और उनकी सबडिस्ट्रीब्यूटरी, माइनर्स और सबमाइनर्स के गेटों का मरम्मत का कार्य।	नरसिंहपुर	2.49
50	2025_WRD_452967	संभागीय कार्यालय की बिल्डिग एवं सिंचाई कालोनी का मरम्मत कार्य।	बैतुल	6.43
51	2025_WRD_452973	चिखलपाटी, बाजारढाना, शिवसागर, उमरी, छतरपुर, मरकाढाना एवं बिसलदेही बैराज के गेट खोलना एवं बंद करने का कार्य।	बैतुल	5.17
52	2025_WRD_452986	मोखा जलाशय की नहर आर.डी. 1350 मी. निर्मित क्रांसड्रेन का साधारण मरम्मत कार्य।	बैतुल	4.85
53	2025_WRD_452993	कौडिया जलाशय का अबूटमेंट एवं वाल का साधारण मरम्मत कार्य।	बैतुल	4.98
54	2025_WRD_453001	कुंड जलाशय नहर की रिर्टनिंग वाल का साधारण मरम्मत कार्य।	बैतुल	4.26
55	2025_WRD_453014	चोरनीमोरनी जलाशय साधारण मरम्मत कार्य।	बैतुल	1.24
56	2025_WRD_453203	हरदोली लघु जलाशय के मुख्य नहर के चैन क्र. 0 से 44 तक एवं बोनकटटा वितरक नहर से चैन क्र. 09 से 75 तक नहर का सुदृढ़ीकरण कार्य।	बालाघाट	4.22
57	2025_WRD_453294	ला.म. एवं वि./यां. उपसंभाग कुडवा के स्टोर की अनुपयोगी सामग्री का विक्रय।	नरसिंहपुर	14.06
58	2025_WRD_453295	पेंच व्यपवर्तन बांध परियोजना चौरई के एल.बी.सी. नहर के बखारी शाखा एवं सिवनी शाखा के गेटों के मरम्मत का कार्य।	नरसिंहपुर	4.22
59	2025_WRD_453351	आसन बैराज हेतु 6 चौकीदार का प्रदाय।	मुरैना	10.64
60	2025_WRD_453794	छूरी बैराज का सर्वेक्षण कार्य।	बैतुल	0.50
61	2025_WRD_454008	अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त तरपेड़ बांध की नहर का मरम्मत कार्य।	छतरपुर	10.57
62	2025_WRD_454235	वर्धा–2 मध्यम उद्वहन सिंचाई परियोजना का सर्वेक्षण कार्य।	बैतुल	8.05
63	2025_WRD_454358	मालनपुरा से कुम्हारिया तक रोड निर्माण हेतु वि./यां. पोलो की ऊंचाई बढाने का कार्य।	नर्मदापुरम्	1.34
64	2025_WRD_454411	सम्राट अशोक सागर परियोजना की डी–4/एस.बी.सी. की एल.एस. एम. 3 की आर.डी. 50 मी. की व्ही.आर.बी. एवं आर.एस.–15 की एल.एस.एम. 2 के हेडरेगुलेटर का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	विदिशा	9.20
65	2025_WRD_454414	सम्राट अशोक सागर परियोजना की एस.बी.सी. की पीपलखेड़ा वितरिका की चैन क्र. 13 एवं 176 पर स्टील एक्वाडक्ट का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	विदिशा	10.08
66	2025_WRD_454461	संजय सागर मध्यम परियोजना की आर. डी. 390 एम से आर.डी. 6050 एम केनाल गेट्स का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	1.69
67	2025_WRD_454578	वलनी एवं छिंदवाड जलाशय योजना की नहरों का जंगल सफाई, बैक उन्ययन, मलबा सफाई एवं मिटटी का कार्य।	बैतुल	4.23
68	2025_WRD_454612	बेनी सागर आर.बी.सी. डायवर्सन का मरम्मत कार्य।	छतरपुर	5.58
69	2025_WRD_454613	अतिवृष्टि के कारण क्षतिग्रस्त सिंहपुर बांध की मुख्य नहर का मरम्मत कार्य ।	छतरपुर	4.25
70	2025_WRD_454683	संभाग अशोकनगर के मध्यम एवं लघु सिंचाई संरचनाओं एवं तालाबों हेतु चौकीदार का प्रदाय। (द्वितीय आमंत्रण)	अशोकनगर	10.15
71	2025_WRD_454726	शासकीय वाहन क्र. एमपी 02 एव्ही 5507 महिंद्रा बोलेरों की मरम्मत कार्य।	रीवा	0.76
72	2025_WRD_455421	जरूआ मध्यम परियोजना के सर्वेक्षण का कार्य।	रायसेन	7.59
73	2025_WRD_455490	बण्डा सिंचाई परियोजना की सड़क एवं डूब क्षेत्र से प्रभावित 11 के. व्ही./एल.टी.विधुत लाईन के प्रतिस्थापन (ग्राम रक्सी एवं हनौता) का कार्य ।	सागर	18.84
74	2025_WRD_455492	बण्डा सिंचाई परियोजना की सड़क एवं डूब क्षेत्र से प्रभावित 11 के. व्ही./एल.टी.विधुत लाईन के प्रतिस्थापन (ग्राम पिपरिया इल्याई व सेमरा अहीर) का कार्य ।	सागर	18.44
			कुल योग	437.35

G20016/25

मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

संक्षिप्त समाचार

ग्रीरीनिंग वेस्टलैंड ऑफ इंडिया थीम पर व्याख्यान का आयोजन हुआ

विदिशा। 14 एमपी बटालियन एनसीसी विदिशा के कमान अधिकारी कर्नल विकास गुप्ता शौर्य चक्र के निर्देशन में राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय विदिशा में ग्रीनिंग वेस्टलैंड ऑफ इंडिया थीम पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में एनसीसी कैडेट्स को एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉक्टर विनीता प्रजापति द्वारा व्याख्यान के माध्यम से ग्रीनबीच, गो ग्रीन क्लीन ब्रीद, बंजर भूमि का किस तरह पौधारोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित किया जाए। बंजर भूमि की जलवायु के अनुसार पौधों का चुनाव कर पधारोपण करें, विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। यह सामाजिक गतिविधि सूबेदार प्रमोद एच की उपस्थिति में संपन्न हुई, जिसमें एनसीसी कैडेट्स द्वारा महाविद्यालय कैंपस में गाजर घास, प्लास्टिक कचरा साफ कर श्रमदान भी किया गया। छात्राओं ने प्लास्टिक बोतल से ट्री गार्ड बनाकर उसका पुन: उपयोग करने हेतु समाज को संदेश प्रेषित किया। पर्यावरण को हरा भरा बनाने हेतु पोस्टर के माध्यम से भी अभिव्यक्ति की गई। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ बी डी अहिरवार ने सभी कैडेट्स को बधाई देते हुए उनके कार्य की सराहना की।

जल उपयोगिता समिति की बैठक आज

विदिशा। कलेक्टर अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जल उपयोगिता समिति की बैठक आज मंगलवार 14 अक्टूबर को आयोजित की गई है यह बैठक कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में दोपहर तीन बजे से शुरू होगी। समिति के सदस्य सचिव राजकुमार पण्डोले ने बताया कि बैठक में सिंचाई जलाश्यों में उपलब्ध जल की मात्रा के अनुसार रबी सिंचाई हेतु जल उपयोग का निर्धारण रबी सिंचाई कार्यक्रम वर्ष 2025-26 का निर्धारण पेयजल एवं औद्योगिक प्रयोग हेतु जल का आरक्षण और जलकर का भुगतान के अलावा कृषि विभाग द्वारा फसलों का चुनाव किया जाना, विद्युत विभाग द्वारा जल संसाधन की अनुमति के बिना नहर एवं बांध पर विद्युत कनेक्शन नहीं देने हेतु चर्चा तथा लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत निर्मित सड़को के संबंध में चर्चा की जाएगी।

विधायक द्वारा साप्ताहिक जन समस्या निवारण शिविरो का आयोजन

विदिशा। विदिशा विधायक मुकेश टण्डन के द्वारा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत साप्ताहिक जन समस्या निवारण शिविर आयोजित करने की सूचनाएं संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अनुभा जैन के द्वारा शिविर आयोजन दिवसो की जानकारी जारी की गई है। संयुक्त कलेक्टर द्वारा जारी पत्रानुसार विदिशा विधायक मुकेश टण्डन के द्वारा साप्ताहिक शिविर आयोजन के अनुसार हरेक सोमवार को अहमदपुर कस्बा में दोपहर तीन से पांच बजे तक तथा हरेक शुक्रवार को ग्यारसपुर जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत गूलरखेडी (गुलाबगंज) में दोपहर एक बजे से तीन बजे तक शिविर आयोजित किया जाएगा। और स्थानीय ग्रामीणों से संवाद करेंगे।

खाद्य पदार्थों की जांच करने के निर्देश

विदिशा। अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने आज लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में आगामी दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य एवं औषधि विभाग के निरीक्षकों को नियमित रूप से खाद्य पदार्थों की जांच, नमूना कार्य करने हेतु निर्देशित किया है। उन्होंने जिले में अपने अपने कार्य क्षेत्रों में विशेष चैकसी निगरानी व परीक्षण सेम्पल खासकर दूध, मावा, पनीर, मिठाईयां, नमकीन, तेल मसाले सहित सभी प्रकार की खाद्य सामग्रियों की जाँच, निरीक्षण जारी रखे, मिलावट पाए जाने पर जप्त करने की कार्यवाही कर संबंधित कारोबारियों के लाइसेंस निरस्त किए जाए। त्यौहार के दौरान यदि किसी जिले में अप्रिय घटना होने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही होगी जिनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

प्रतिबंधित सिरप नहीं मिले; संचालकों को चेताया- बिना प्रिस्क्रिप्शन दवा दी तो लाइसेंस रद्द करेंगे

मेडिकल स्टोर्स पर पहुंचे सीएमएचओ, जांच की

रायसेन ■ निसं

छिंदवाड़ा में कफ सिरप से बच्चों की मौत की घटना के बाद, रायसेन के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच. एन. मांडरे ने सोमवार शाम को शहर के मेडिकल स्टोर्स की जांच की। इस दौरान किसी भी मेडिकल स्टोर पर प्रतिबंधित या जानलेवा कफ सिरप नहीं मिला। सरकार द्वारा कुछ कफ सिरप पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद यह जांच की गई। डॉ. मांडरे ने ड्रग्स इंस्पेक्टर के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि कोई भी मेडिकल स्टोर प्रतिबंधित कफ सिरप न बेच रहा हो। उन्होंने अपनी टीम के साथ विभिन्न मेडिकल स्टोर्स का दौरा किया।

जांच के दौरान, डॉ. मांडरे ने सभी मेडिकल संचालकों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क है और किसी भी संदिग्ध दवा के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

हालांकि, सीएमएचओ द्वारा शहर में कुल दो मेडिकल स्टोर्स पर ही जांच की गई। रायसेन जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले में अधिकतर मेडिकल स्टोर संचालक छोटे बच्चों को बिना डॉक्टर की पर्ची के दवाएं देते हैं।

इस गंभीर मुद्दे पर डॉ. मांडरे ने कहा कि बिना डॉक्टर की पर्ची के दवा देना एक अपराध है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई भी संचालक या कर्मचारी छोटे बच्चों को बिना पर्ची के दवा देते हुए पाया गया, तो उनका लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मंडी में पूसा बासमती धान की आवक, पहली बार 2850 प्रति क्विंटल में हुई खरीदी

रायसेन, निप्र। रायसेन कृषि उपज मंडी में धान की आवक बढ़ रही है। सोमवार को मंडी में 2000 क्विंटल धान पहुंची। इस दौरान पहली बार पूसा बासमती धान की एक ट्रॉली लेकर किसान पहुंचा। जिसकी व्यापारियों द्वारा खरीदी गई।

2850 प्रति क्विंटल से बिका पूसा बासमती धान: खामखेड़ा से किसान हरलाल, पूसा बासमती धान लेकर मंडी में पहुंचे थे। व्यापारियों ने किसान से 2850 प्रति क्विंटल में पूसा बासमती धान की खरीदी की। अन्य किस्मों की धान 2200 से 2800 प्रति क्विंटल के भाव से मंडी में बिकी। मंडी में 1509, 1692 और 2552 वैरायटी की धान आ रही है।

दूर दूर से किसान धान लेकर पहुंच रहे: सुबह 10:30 बजे से मंडी कर्मचारियों और व्यापारियों ने नीलामी शुरू की। दूर-दूर से किसान अपनी धान की उपज लेकर मंडी पहुंचे थे, जिसकी खरीदी व्यापारियों द्वारा की गई। व्यापारी मनोज सोनी, अखिल सोनी और अभिषेक सोनी ने बताया कि दिवाली तक धान की आवक में और वृद्धि होगी। अभी नई धान की आवक की शुरुआत हुई है। मंडी प्रशासन ने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं।

नि-क्षय मित्रों द्वारा टीबी मरीजों को वितरित किए गए फूड बास्केट

रायसेन, निप्र। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान अन्तर्गत सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा की उपस्थिति में एलटीफाउन्डेषन (दावत राईस) द्वारा टीबी मरीजों को नि-क्षय बनकर मित्र पोषण आहार वितरण किया गया। सीएमएचओ डॉ एचएन मानड्रे एवं जिला क्षय अधिकारी डॉ यशपाल बलयान द्वारा बताया गया कि एलटी फाउंडेशन द्वारा विगत वर्ष भी टीबी मरीजों को पोषण सहायता प्रदान की थी एवं जोखित समूह के मरीजों का एक्सरे एवं चिकित्सकीय परामर्ष, ग्राम स्तर पर उपलब्ध कराने हेतु मोबाईल डायग्नोस्टिक वैन दान में देने की सहमति दी गई थी। एलटी फाउन्डेषन से सुश्री मोहिनी लालवानी सीएसआर प्रमुख गुड़गांव ष्यामसुदंर, प्रोक्योरमेंट प्रमुख मप. एवं श्री अभय गौर सीएसआर प्रमुख, भोपाल संभाग द्वारा टी.बी. मरीजों को सहायता उपलबध कराने हेतु विषेष प्रयास किये गये। संस्था द्वारा 485 टीबी मरीजों को 06 माह हेतु पोषण सहायता उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। सीएमएचओ डॉ एचएन मांड्रे द्वारा सभी से टीबी मरीजों को पोषण आहार देने एवं टीबी रोगी से छुआछूत की भावना को दूर करने का आव्हान किया गया है।

कलेक्टर विश्वकर्मा की अध्यक्षता में राजस्व और पुलिस अधिकारियों की संयुक्त बैठक सम्पन्न

रायसेन ■ निसं

कलेक्ट्रेट सभाकक्षा में राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों की संयुक्त बैठक कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर विश्वकर्मा ने राजस्व और पुलिस अधिकारियों को बेहतर समन्वय के साथ संयुक्त रूप से कार्य करने के कहा। पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पांडे द्वारा पीपीटी के माध्यम से मर्ग डायरी निराकरण, अतिक्रमण, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, गौवंश के अवैध परिवहन हेतु प्रयुक्त वाहनों को राजसात करने तथा सीएम हेल्पलाईन सहित अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इसके साथ धारा 25 पुलिस एक्ट निलामी, बंद फैक्ट्रियों का संयुक्त भ्रमण कर चिन्हित करने, विस्फोटक सामग्रियों की जांच, खाद-बीज वितरण व्यवस्था, मण्डी व्यवस्था, पीड़ित प्रतिकार और राहवीर योजना पर चर्चा की गई। बैठक में राहवीर योजना के प्रचार-प्रसार और प्रकरणों की स्वीकृति, सड़क सुरक्षा विषयों पर भी चर्चा कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में सहायक कलेक्टर श्री कुलदीप पटेल, अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश कुमार सहित राजस्व तथा पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर धान विक्रय हेतु 1393 कृषकों के द्वारा पंजीयन कराया गया

विदिशा। खरीफ 2025-26 में धान उपार्जन हेतु किसानो की पंजीयन की अंतिम तिथि तक जिले में कुल 1393 किसानो के द्वारा पंजीयन कराया गया है कि जानकारी देते हुए जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अनिल तंतुवाय ने बताया कि सर्वाधिक विदिशा तहसील में 568 किसानो के द्वारा पंजीयन कराया गया है। सबसे कम लटेरी में एक कृषक के द्वारा धान विक्रय हेतु नियत अंतिम तिथि तक पंजीयन कराया गया है इसके अलावा गुलाबगंज में 241, बासौदा में 211, पठारी में 85, ग्यारसपुर में 76, कुरवाई में 50, शमशाबाद में 49, नटेरन में 54, विदिशा शहर में 36, त्योंदा में 18, सिरोंज में चार किसानो ने पंजीयन कराया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले विदिशा के किसान राहुल गौड़

विदिशा, निप्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से दिल्ली में विदिशा जिले के छीरखेड़ा गांव के आदिवासी कृषक राहुल गौड़ ने संवाद किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में विदिशा के किसान से संवाद किया यह किसान राहुल गौड़ के लिए गर्व के पल थे। किसान राहुल गौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री जी ने धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ अवसर पर दिल्ली में हम किसानों से संवाद किया और हमें दलहनी फसलों के उत्पादन और प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया है जो हमारे लिए गौरव के क्षण थे कि प्रधानमंत्री हमसे संवाद कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने विदिशा के छीरखेड़ा गांव के किसान राहुल गौड़ से संवाद कर यह भी बताया कि उन्हें प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर होना है, जिससे कि आने वाली पीढ़ी के लिए हम हमारे खेत की जमीन को सुरक्षित रख सकेंगे। रासायनिक प्रक्रियाओं से हमें हमारे खेतों को बचाना है। विदिशा जिले के चिन्हित किसान ने दिल्ली पहुंचकर प्रधानमंत्री से संवाद किया था।

गौरतलब हो कि पीएम धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की शुभारंभ अवसर पर उन्हें दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया था, उन्हें विदिशा जिले में कृषि विभाग द्वारा क्रियान्वित आत्मा परियोजना अंतर्गत विदिशा से दिल्ली के लिए रवाना किया गया था। किसान राहुल गौड़ प्रधानमंत्री जी से मिलने पर अत्यंत प्रसन्न हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वह प्रधानमंत्री जी से मिलेंगे लेकिन प्रधानमंत्री जी उनसे मिले और उनसे संवाद किया यह उनके लिए सपने के सच होने जैसा है। दलहनी फसल और प्राकृतिक खेती की और अग्रसर हैं किसान राहुल गौड़ विदिशा के चीरखेड़ा गांव में रहने वाले किसान राहुल गौड़ ने बताया कि वह अपनी पत्नी और दो बच्चों एक बालक और बालिका के साथ गांव में निवास करते हैं, खेती किसानी कर अपने घर परिवार को चलाते हैं। उन्होंने बताया कि दलहनी फसलों और प्राकृतिक खेती की और वह अग्रसर हैं जिससे वह अच्छी फसल प्राप्त करते हुए अच्छा मुनाफा अर्जित करते हैं। उन्होंने अन्य किसानों को भी दलहनी फसल अपनाने और प्राकृतिक खेती करने के लिए अभिप्रेरित किया है।

दलहनी फसल से मिल रहा लाभ : किसान राहुल गौड़ ने बताया कि उनके पास गांव में ही दो हेक्टेयर यानी लगभग 8 बीघा जमीन है जिस पर वह सीजन में दलहनी फसल उगाते हैं जिसमें वह चना, मूंग की फसल की बौनी करते हैं। इस वर्ष भी उन्होंने चना और मूंग की फसल लगाई जिससे उन्होंने लागत के बदले अच्छा मुनाफा हासिल किया है। साथ ही उन्होंने अपनी जमीन में मक्का और धान की फसल भी बोई थी। वह बताते हैं की दलहनी फसल कम पानी में भी अच्छी पैदावार देती है।

जीएसटी और नीति सुधारों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

रायसेन ■ निसं

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय महाविद्यालय विदिशा में भारत में आर्थिक स्थिरता के सन्दर्भ में जीएसटी और नीति सुधारों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया।

यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित एवं वित्त पोषित था। यह कार्यक्रम शैक्षणिक और ज्ञानवर्धक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। वेबिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों और अन्य प्रतिभागियों को विषय से संबंधित नवीनतम जानकारी और व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रदान करना था।

कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक अतिरिक्त संचालक प्रोफेसर श्री मथुरा प्रसाद, संरक्षक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ वनिता बाजपेई, विशेष अतिथि महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र सिंह रघुवंशी, मुख्य अतिथि अग्रणी कन्या महाविद्यालय विदिशा के प्रोफेसर भगवान दास अहिरवार थे।

मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अनूप कुमार रॉय, वाणिज्य विभाग, गुरुघासी दास विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ तथा श्री नरेश कुमार, चार्टर्ड अकाउंटेट, एनके एन एंड एसोसिएट्स नई दिल्ली से जुड़े थे। कार्यक्रम के संयोजन डॉ राज कमल प्रजापति तथा सह संयोजक श्रीमती श्वेता सोलंकी व श्री भगवत सिंह पाल थे। आईक्यूएसी के इनचार्ज के तौर पर डॉ. रश्मि यादव थी।

वेबिनार का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. वनिता बाजपेई के स्वागत भाषण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अपने भाषण में उन्होंने वेबिनार के महत्व को स्पष्ट करते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल ज्ञान वृद्धि में सहायक होते हैं बल्कि विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच संवाद और विचारों के आदान-प्रदान का अवसर भी प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक प्रोफेसर मथुरा प्रसाद ने आर्थिक स्थिरता और नीति सुधारों में जीएसटी की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्राचार्य और समिति को धन्यवाद दिया और प्रतिभागियों को ज्ञानवर्धक सत्र का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

मुख्य अतिथि कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. भगवान दास अहिरवार ने भारत की आर्थिक स्थिरता में जीएसटी और नीति सुधारों के महत्व पर अपने विचार सांझा किए। उन्होंने प्रतिभागियों को विषय की गहन समझ प्राप्त करने और सीखने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए जनभागीदारी के अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र सिंह रघुवंशी ने भारत की आर्थिक स्थिरता और जीएसटी एवं नीति सुधारों के महत्व पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने प्रतिभागियों को ज्ञान अर्जन और सक्रिय सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया।

सम्मानित वक्ता के रूप में डॉ अनूप कुमार रॉय तथा सीए श्री नरेश कुमार ने अपने व्याख्यान में विषय को सरल और रोचक तरीके से प्रस्तुत किया। अपने अनुभवों और अध्ययन के आधार पर उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला, जैसे जीएसटी के लाभ, चुनौतियां, भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव आदि। उन्होंने प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर भी सहज और स्पष्ट तरीके से दिया, जिससे वेबिनार और अधिक इंटरैक्टिव एवं ज्ञानवर्धक बन गया। वेबिनार में 10 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए और लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें विद्यार्थी, शोध विद्यार्थी, प्राध्यापकध्प्राध्यापिका और अन्य शैक्षणिक सदस्य शामिल थे। प्रतिभागियों ने अपने सक्रिय योगदान और प्रश्नों के माध्यम से वेबिनार को अत्यंत लाभकारी बनाया। कार्यक्रम का संचालन भगवत सिंह पाल द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया।

कलेक्टर विश्वकर्मा की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

राजस्व प्रकरणों को निर्धारित समयावधि के भीतर ही निराकृत कराए: कलेक्टर

रायसेन ■ निसं

कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने अनुभागवार और तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी एसडीएम, तहसीलदारों तथा नायब तहसीलदारों को निर्देश दिए कि सभी गंभीरता के साथ राजस्व कार्यो तथा प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाएं। उन्होंने न्यायालयवार राजस्व प्रकरणों तथा निराकरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि प्रकरण निर्धारित समयावधि के भीतर ही निराकृत किए जाएं। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने निर्देश दिए कि प्रकरणों का निराकरण होते ही पोर्टल पर जानकारी दर्ज की जाए तथा आदेश का पालन कराया जाए। उन्होंने नामांतरण, बंटवारा, फार्मर रजिस्ट्री, आरओआर से आधार लिंकिंग, राजस्व वसूली, मासिक पत्रक, समाधान विषयों की विस्तृत समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि

चालू राजस्व वर्ष में अभी तक कुल पंजीकृत प्रकरणों की संख्या 42790 है जिनमें से 34992 प्रकरणों का निराकरण हो गया है। राजस्व प्रकरणों के निराकरण का प्रतिशत 81.78 प्रतिशत है। कलेक्टर द्वारा शेष 7798 प्रकरणों को भी शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में बताया गया कि रायसेन उपखण्ड अंतर्गत पंजीकृत कुल 6525 प्रकरणों में से 5080 प्रकरण निराकृत हो गए हैं तथा निराकरण प्रतिशत 77.85 है। इसी प्रकार गैरतगंज उपखण्ड अंतर्गत कुल पंजीकृत 3569 प्रकरणों में से 3028 प्रकरण निराकृत हो गए हैं तथा निराकरण प्रतिशत 84.84 है। बरेली उपखण्ड अंतर्गत कुल 12297 प्रकरणों में से 10708 प्रकरणों का निराकरण हो गया है तथा निराकरण प्रतिशत 87.08 है। गौहरगंज उपखण्ड अंतर्गत कुल पंजीकृत 7349 प्रकरणों में से 6440 प्रकरणों का निराकरण हो गया है तथा निराकरण प्रतिशत 87.63 है। उपखण्ड बेगमगंज अंतर्गत कुल पंजीकृत 5781 प्रकरणों में से 5086 प्रकरणों का निराकरण हो गया है तथा निराकरण प्रतिशत 87.98 है। उपखण्ड सिलवानी अंतर्गत कुल पंजीकृत 3685 प्रकरणों में से 3325 प्रकरणों का निराकरण हो गया है तथा निराकरण प्रतिशत 90.23 है। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में नामांतरण के कुल 15125 प्रकरणों में से 12699 प्रकरणों का निराकरण हो गया है। इसी प्रकार सीमांकन के कुल 4453 प्रकरणों में से कुल 4298 प्रकरण निराकृत हो गए हैं तथा बंटवारा के कुल 3277 प्रकरणों में से 2671 प्रकरण निराकृत हो गए हैं। बैठक में बताया गया कि अभिलेख दुरूस्ती के 665 प्रकरणों में से 476 प्रकरण निराकृत हो गए हैं। फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 161323 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य हो गया है। बैठक में सहायक कलेक्टर श्री कुलदीप पटेल, अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय, सभी एसडीएम, तहसीलदार और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र का आयोजन

विदिशा, निप्र। इंडिया फ्यूचर फाउंडेशन और सीईआरटी-इन के सहयोग से विदिशा रवींद्रनाथ टैगोर ऑडिटोरियम में उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए एक आकर्षक साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया था। जिसमें शासकीय एवं निजी संस्थानों के 600 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया।

किशोरों को ऑनलाइन सुरक्षित रखना विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में डीपफेक स्कैम, गेमिंग की लत, सोशल मीडिया का दुरुपयोग एवं ऑनलाइन ग्रूमिंग जैसे प्रासंगिक विषयों पर चर्चा की गई। सत्र का नेतृत्व कर्नल संजीव रेलिया (सेवानिवृत्त) द्वारा किया गया, जिन्होंने वास्तविक केस स्टडीज एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर अंशुल गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी एस.पी. जाटव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चैबे, एवं अजय सिंह सकवार के सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए आयोजकों ने विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया।

डिजिटल जागरूकता और जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार के साथ युवाओं को सशक्त बनाना एक सुरक्षित साइबर भविष्य के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। थ्वतजपदमज एवं सहयोगी संस्थाओं ने इस संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया कि ऐसी साइबर सुरक्षा पहलों का विस्तार स्कूलों एवं कॉलेजों में निरंतर रूप से किया जाएगा।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। : संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436, 9826735596. भोपाल कार्यालय : 4240007. फैक्स:0755-4296195 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।